सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 35 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 18 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भाजपा में शामिल हुए कैलाश गहलोत, मनोहर लाल ने दिलाई सदस्यता; कल छोड़ी थी 'आप'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में कैलाश गहलोत को मनोहर लाल खट्टर ने सदस्यता दिलाई है। वहीं इस दौरान दिल्ली भाजपा के कई वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे। कैलाश गहलोत ने रविवार को ही आप की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। कैलाश गहलोत ने 19 फरवरी 2015 को पहली बार दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री के रूप शपथ ली थी। उसके बाद वह लगातार तीन बार मंत्री बनाए गए। इस्तीफा देने से पहले कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए।

सरगुजा के खिलाड़ियों ने नेशनल चैंपियनशिप में जीते मैडल, सीएम साय ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

रायपुर। सरगुजा के चार खिलाडियों ने कर्नाटक के कुर्ग में 10 से 14 नवंबर तक आयोजित प्रोफेशनल नेशनल किक बॉक्सिंग लीग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए 2 स्वर्ण और एक -एक रजत और कांस्य पदक हासिल कर इस राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का परचम लहराया। पदक विजेता इन खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें अपनी उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित इस स्पर्धा में सरगुजा की स्वाति राजवाड़े ने 60 किलो से कम वजन वर्ग में गोल्ड, सरवर एक्का ने 50 किलो से कम वजन वर्ग में गोल्ड मैडल, सत्यम साहू ने 70 किलो से कम वजन वर्ग में रजत और संजना मिंज ने 50 किलो से कम वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता है। इस अवसर पर किक बॉक्सिंग एसोशिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष छगन लाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, सचिव आकाश गुरु दीवान और टीम के कोच खिलावन दास उपस्थित रहे।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे रोहित, बुमराह संभालेंगे कप्तानी

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलना लगभग तय माना जा रहा है। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल कोहनी की चोट से उबर गए हैं और उन्होंने रविवार को नेट सत्र में भी हिस्सा लिया है, जो इस बात के संकेत देता है कि वह 22 नवंबर से होने वाले पहले टेस्ट मैच में ओपनिंग के लिए उतरेंगे। वहीं, रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी सौंपी जाएगी।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में दूसरी बार पिता बनने वाले नियमित कप्तान रोहित एडिलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात शिशु के साथ समय बिताना चाहते हैं। रोहित की पत्नी रितिका ने हाल ही में बेटे को जन्म दिया था, जिसके बाद इसकी संभावना जताई जाने लगी थी कि रोहित पहले टेस्ट के लिए जल्द भारतीय टीम से जुड़ सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से होगा।

नेहरू नगर से टाटीबंध तक बदलेगी हाईवे की तस्वीर

NHAI ने शुरू किया मीलिंग व डामरीकरण

टाटीबंध से शुरू हुआ काम, कोसानाला में सर्विस लेन के लिए पुल का काम भी शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई शहर को रायपुर से जोड़ने वाली एनएच 53 की हालत से तो सभी वाकिफ हैं। बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए समय समय पर निर्माण कार्य हुए हैं। नेहरू नगर से टाटीबंद तक एनएच 53 पर चार फ्लाईओवर बनाए गए ताकि यातायात का दबाव कम किया जा सके। वहीं बाकी सड़क कई हिस्सों से जर्जर हो गई। जगह जगह सड़क टूट गई और असमतल होने के कारण हादसों का खतरा बढ़ गया है। वर्षों के बाद अब एनएचएआई ने सड़क की सुध ली है। नेहरू नगर से टाटीबंध तक अब सड़क का नए सिरे से मीलिंग व डामरीकरण शुरू किया गया है। रायपुर के टाटीबंध से काम शुरू भी कर दिया गया है।

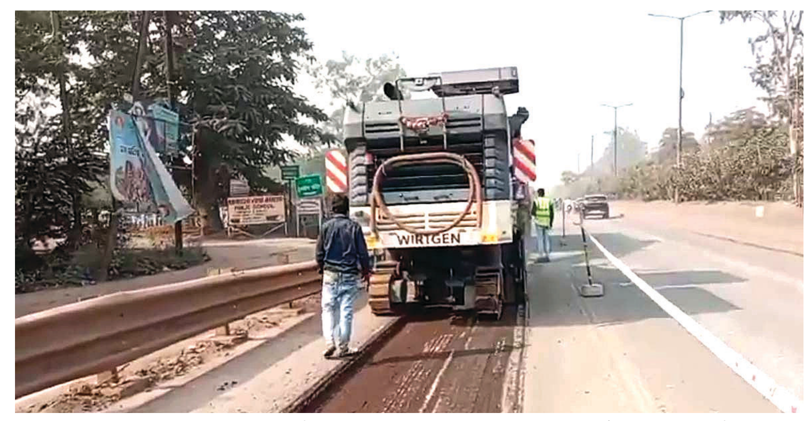

बता दें नेहरू नगर से टाटीबंध तक लगभग 27 किमी फोरलेन सड़क पर बनने के बाद से अब तक प्रापर मेंटेनेंस नहीं किया गया। जब भी कहीं शिकायत होती वहां व पेच वर्क कर दिया जाता। इससे ज्यादा कहीं भी काम नहीं हुआ। भिलाई शहर में बढ़ते ट्रैफिक्र दबाव के कारण प्रमुख चौराहों पर चार फ्लाईओवर बनाए गए। फ्लाईओवर तो बन गए लेकिन फोरलेन पर सड़कों की मरम्मत नहीं की गई। भिलाई के नेहरू नगर से रायपुर के टाटीबंध तक सड़क पर जगह जगह गड्ढे हैं और सड़क कई जगहों पर असमतल व जर्जर भी हो गई। इसके मेंटेनेंस को लेकर बार बार मांग उठती रही। अब जाकर कहीं इसकी शुरुआत की कई है।

45 करोड़ रुपए स्वीकृत

एनएच 53 पर सड़क की मीलिंग व डामरीकरण के लिए 45 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। नेशनल हाइवे अथारिटी ऑफइंडिया द्वारा टाटीबंद से मीलिंग का काम शुरू कर दिया गया है। सड़क को आवश्यकता के अनुसार 10 से 20 एमएम तक खोदकर समतल किया जा रहा है। इसके बाद डामरीकरण होगा। पहले टाटीबंद से कुम्हारी टोल प्लाजा तक काम पूरा होगा। इसके बाद कुम्हारी से चरोदा तक का काम शुरू किया जाएगा। चरोदा तक पूरा होने के बाद भिलाई तीन, भिलाई पावर हाउस व नेहरू नगर तक का काम होगा। लगभग 9 माह में इस काम को पूरा करने का लक्ष्य है। 9 माह के बाद नेहरू नगर से टाटीबंध तक सड़क अलग ही रूप में दिखाई देगी।

टाटीबंध से शुरू कर दिया गया है काम

"नेशलन हाइवे नंबर 53 पर नेहरू नगर से टाटीबंध तक मीलिंग व डामरीकरण का काम होगा। टाटीबंध से मीलिंग का काम शुरु कर दिया गया है। 45 करोड़ रुपए की लागत से पूरी सड़क का डामरीकरण किया जाएगा। वहीं कोसानाला सुपेला के पास पुल बनाकर सर्विस लेन बनाया जाएगा और यहां सड़क चौड़ा किया जाएगा। यह पूरा काम 8 से 9 माह में पूरा कर लिया जाएगा।

– जयंत वर्मा, सब इंजीनियर
पीडब्ल्यूडी एनएचएआई

कोसानाला पर बन रहा पुल, चौड़ी होगी सड़क

एनएच पर ट्रैफिक्र के दबाव को देखते हुए सुपेला थाना के पास कोसानाला पर सर्विस लेन को चौड़ा किया जा रहा है। यहां पर अतिरिक्त पुल का निर्माण किया जा रहा है जिससे की सड़क को चौड़ा किया जा सके। कोसानाला पर पुल बनाने के लिए पाइलिंग का काम भी शुरू कर दिया गया। पुल बनने के बाद सड़क का चौड़ा किया जाएगा। यही नहीं कोसानाला टोल प्लाजा के स्ट्रक्चर को तोड़ने के बाद यहां सड़क को भी सीधा किया जाएगा। इसका काम भी सड़क डामरीकरण के साथ ही किया जाएगा। पूर्व में टोल प्लाजा होने के कारण यहां की सड़क को कर्व डिजाइन में बनाया गया था। अब सड़क के इस हिस्से को सीधा कर व्यवस्थित सड़क का रूप दिया जाएगा।

कुम्हारी टोल प्लाजा को भी हटाने का है प्लान

एनएच पर बने कुम्हारी टोल प्लाजा को भी हटाने की योजना है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इसे कब तक हटाया जाएगा। समाज सेवी संगठनों व छत्तीसगढ़ में ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसायियों द्वारा इसे कुम्हारी टोलप्लाजा को हटाने की मांग की जा रही है। ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसायियों का कहना है कि मियाद खत्म होने के बाद भी टोल वसूली जारी है। जिस प्रकार कोसानाला से टोल वसूली बंद की गई है उसी प्रकार कुम्हारी में भी टोल वसूली बंद होनी चाहिए। बहरहाल कुम्हारी टोल प्लाजा बंद होने के बाद इसके स्ट्रक्चर को भी गिराया जाएगा और यहां पर भी सड़क का समतलीकरण कर सड़क को व्यवस्थित किया जाएगा।

दुर्ग भिलाई में बढ़ने लगी ठंड, सड़कों पर छाया कोहरा, रात का तापमान आधे से ज्यादा गिरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में अब शरद ऋतु का असर दिखने लगा है। कार्तिक पूर्णिमा के बाद से ही रातें और अधिक ठंडी होने लगी है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों में दिन की तूलना में रात का तापमान आध रह गया है। कुछ शहरों में तो दिन की अपेक्षा रात का तापमान आधे से भी कम हो गया है। दुर्ग भिलाई इनमें से एक हैं जहां दिन और रात के तापमान में भारी अंतर देखने को मिल रहा है। दुर्ग भिलामें रविवार रात को न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री रहा। वहीं दिन में टेंपरेचर 30.2 डिग्री तक पहुंचा था। यानी रात में पूरे 16.4 कम रहा।

छत्तीसगढ़ के सभी हिस्सों में ठंड अब तेजी से बढ़ने लगी है। कई स्थानों पर रात का तापमान 10 से 12 डिग्री तक गिर गया है। खासतौर पर उत्तरी छत्तीसगढ़ में पारा सामान्य से दो से तीन डिग्री तक कम पहुंच गया है। राजधानी रायपुर के साथ दुर्ग भिलाई व बिलासपुर में भी ठंड बढ़ी है। मौसम विभाग की माने तो आगामी 03 दिनों में छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में को विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है, तत्पश्चात 1-2एष्ट तक की गिरावट होने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि प्रदेश में मौसम शुष्क है। अगले कुछ दिनों तक मौसम में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट आएगी। हालांकि अभी भी कड़ाके की ठंड दूर है।

रायपुर रहा सबसे गर्म, अंबिकापुर सबसे ठंडा

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.2°C रायपुर में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.6°C अम्बिकापुर में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर से आ रही शुष्क हवा के कारण प्रदेश में मौसम ठंडा हो गया है। दिन का तापमान भी सामान्य के आसपास है। इसलिए दोपहर की धूप से चुभन भी लगभग खत्म हो गई है। रात में पारा सामान्य से नीचे बना हुआ है। शहरी क्षेत्र के आउटर में ठंड का अहसास कुछ अधिक है। घनी आबादी से दूर खुले क्षेत्र में रात का तापमान तेजी से गिर रहा है।

ऐसा रहा प्रमुख जिलों का तापमान

छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों का तापमान इस प्रकार रहा। दुर्ग में अधिकतम तापमान 30.2 और न्यूनतम तापमान 13.8 रहा। इसी प्रकार राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 31.2 और न्यूनतम तापमान 16.8, माना एयरपोर्ट अधिकतम तापमान 29.8 और न्यूनतम तापमान 15.2, बिलासपुर अधिकतम तापमान 29.6 ओर न्यूनतम तापमान 16.0, पेण्ड्रारोड अधिकतम तापमान 28.5 और न्यूनतम तापमान 12.6, अम्बिकापुर अधिकतम तापमान 27.8 और न्यूनतम तापमान 10.6, जगदलपुर अधिकतम तापमान 29.1 और न्यूनतम तापमान 16.0 तथा राजनांदगांव अधिकतम तापमान 29.5 और न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री रहा।

उलन मार्केट में रौनकः ठंड बढ़ते ही सज गया गर्म कपड़ों का बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवंबर माह शुरू होने के साथ ही जैसे-जैसे दिन गुजर रहा है, वैसे-वैसे ही ठंड की दस्तक होने लगी है। आने वाले एक सप्ताह के भीतर ठंड बढ़ जाएगी। ऐसे में लोग ठंड से बचने और इस मौसम को इंजाय करने के लिए गर्म कपड़े खरीदना भी चालू कर चुके है। इस बार उलन मार्केट में गर्म कपड़ों में फैशन का तड़का लगाया गया है। शहर के बाजार में बच्चों और युवाओं के लिए भी खास डिजाइन के गर्म कपड़े उपलब्ध हैं।

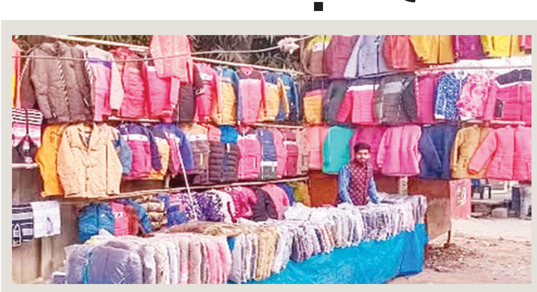

ये है नया ट्रेंड

इस साल ओवरसाइड स्वेटर, फर जैकेट और कलरफुल जैकेट काफी ट्रेंड में हैं। कलर: न्यूट्रल कलर्स जैसे कि बेज, ग्रे और ब्लैक काफी पापुलर हैं। – फैब्रिक वूल, काश्मीर और फर जैसे फैब्रिक काफी पसंद किए जा रहे हैं। पुरुषों और बुजुर्गों के लिए पुराने स्टाइल के स्वेटर के साथ डेनिम जैकेट, लेदर जैकेट, साल आदि मौजूद हैं। इसकी खरीदारी अभी से शुरू हो गई है। कुल मिलाकर हर आयु वर्ग को ध्यान में रखते हुए नए स्टाइल के गर्म कपड़े बाजार में उतारे गए हैं।

ब्रांडेड कंपनियों के साथ तिब्बती उलन बाजार में भी लेटेस्ट फैशन को ध्यान में रखकर गर्म कपड़े उपलब्ध हैं। खासतौर से इस बार के उलन मार्केट में महिलाओं के लिए बहुत कुछ नया आया है। ये गर्म कपड़े पहनने से गर्मी तो मिलेगी, साथ ही महिलाओं की सुंदरता पर भी चार-चांद लगेगा। क्योंकि इस बार महिलाओं की पसंद का विशेष ध्यान रखा गया है। इसे महिलाएं साड़ी के साथ पहन सकेंगी। इसी तरह से गर्म कपड़ों में अन्य नए डिजाइन भी हैं, जिन्हें महिलाएं पसंद कर रही हैं।

गर्म कपड़ों में लेदर लुक एवरग्रीन है। लेदर के जैकेट पहले खासतौर से पुरुषों के लिए ही डिजाइन किया जाता था, लेकिन कुछ सालों से युवतियों व महिलाओं के लिए भी लेदर जैकेट आने लगे हैं। ये जरूर कुछ महंगे रहते हैं, लेकिन इसको पहनने से एक बोल्ड लुक मिलता है। ऐसे में खासतौर से युवतियां भी लेदर जैकेट खरीदने लगी हैं। इसमे भी पुरुषों की तरह ब्लैक लेदर जैकेट युवतियों के आन डिमांड लिस्ट में है।

पारंपरिक से लेकर वेस्टर्न तक

बाजार में उलन मार्केट के हर कोने में गर्म कपड़ों की भरमार है। स्वेटर, जैकेट, कोट, मफलर, टोपी, दस्ताने, सब कुछ यहां मौजूद हैं। इस बार मार्केट में लेटेस्ट फैशन के हिसाब से डिजाइन किए गए कपड़े भी देखने को मिल रहे हैं। चाहे आप पारंपरिक गर्म कपड़े पसंद करती हों या फिर वेस्टर्न, यहां आपको अपनी पसंद के कपड़े आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा, आपको बजट के हिसाब से कपड़े भी मिल रहे हैं। आप कम बजट में खरीदारी करना चाहती हों या फिर ब्रांडेड कपड़े खरीदना चाहती हैं सबकुछ बाजार में उपलब्ध हैं।

नर्सों के प्रति अब तो नजरिया बदलो

श्रीकंचनपथ

नर्सें भले ही स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी प्रणाली का अहम हिस्सा हों पर उन्हें कभी वह सम्मान नहीं मिला जो चिकित्सा बिरादरी के अन्य लोगों को मिलता है। उलटे कभी उन्हें चुटकुलों का विषय बनाया गया तो कभी उनपर भद्दे कार्टून बनाए गए। उन्हें अश्लील किस्सों का हिस्सा बनाया जाता रहा। किसी ने भी उनका वह समर्पण नहीं देखा, उनकी वह तकलीफ नहीं देखी जिसे वे अपनी ड्रेस के पीछे सहजता से छिपा लेती हैं। 12 घंटे या उससे भी अधिक की ड्यूटी, कभी कभी घंटों लगातार खड़े रहना, अस्पताल की विभीषिकाओं को अपने साथ लेकर घर लौटना, उतना भी आसान नहीं है। बेशक, उन्हें नर्सिंग इंस्टीट्यूट में ही इसके लिए तैयार कर दिया जाता है पर नर्सिंग की वास्तविक दुनिया ही उन्हें उस सच से रूबरू करा पाती है। रोगियों के बीच रहते रहते या तो वे संतत्व को प्राप्त कर लेती हैं या फिर स्वयं मनोरोगों से जूझने लगती हैं। सेवा निवृत्ति के बाद इनमें से कोई वेरीकोज वेन नामक पैरों की तकलीफ से गुजरती हैं तो अधिकांश पाचन और निद्रा संबंधी विकारों से जूझती हैं। झांसी मेडिकल कालेज की स्टाफ नर्स मेघा ने एक बार नर्सों की इस त्रासदी को रेखांकित कर दिया है। मेघा खुद महज 36 साल की है। उसके अपने छोट-छोटे बच्चे हैं। वह मेडिकल कालेज के नवजात शिशु विभाग में तैनात हैं। रविवार 17 नवम्बर की रात उनके वार्ड में आग लग गई। आक्सीजन कंसेन्ट्रेटर के धधकने से लगी इस आग ने पूरे वार्ड को अपनी चपेट में ले लिया। मेघा की वर्दी सिंथेटिक की थी। वह भी जलने लगी। पर उसने इसकी परवाह नहीं की और दो नवजातों को लेकर बाहर भागी। लौटकर अपनी सलवार उतारी और फिर तीन शिशुओं को लेकर बाहर आई। वार्ड में और भी शिशु थे पर तब तक वार्ड में इतना धुआं भर चुका था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। बिजली भी बंद कर दी गई थी। इस हादसे में 10 नवजातों की जान चली गई। कल्पना कीजिए किसी ऐसी स्त्री का जिसके हाथों में हर दिन, हर पल कोई कमजोर या वक्त से पहले जन्मा नवजात ही होता है। कल्पना कीजिए ऐसी स्त्रियों का जो रोज ही गंभीर मरीजों के बीच रहती हैं। एक आंख मरीज पर तो दूसरी आंख मॉनीटर पर टिकी होती है। यदि इसके बाद भी हम इनका सम्मान नहीं कर पाते, तो कमी हममें है।

संपादकीय

प्रदूषण का प्रहार लगातार

बुधवार को दिल्ली संसार की सबसे प्रदूषित राजधानी घोषित की गई। इससे दो दिन पूर्व देहरादून से तो और भी आश्चर्यजनक खबर आई थी। वहां की हवा एनसीआर से भी ज्यादा खराब पाई गई थी। तय है, पहाड़ हो या तराई या समुद्र तट, प्रदूषण ने हमें हर ओर से चपेट में ले लिया है। यहां मैं कुछ आंकड़े आपसे साझा करना चाहूंगा।

> *वह 1974 की 2 अक्टूबर थी और मौसम विभाग ने नई दिल्ली में तापमान दर्ज किया था 35 डिग्री। उस दिन न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। 50 साल बाद इस तारीख को देश की राजधानी में अधिकतम 37 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यह मत सोच बैठिएगा कि अधिकतम तापमान में सिर्फदो डिग्री की बढ़त भला क्या कहर ढा सकती है? यूरोप के मध्यकालीन इतिहास की उपज औद्योगिक क्रांति के बाद गुजरी ढाई शताब्दियों में तापमान में सिर्फ 1.1 से 1.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई, लेकिन इसने गजब कर दिया। तमाम जगहों पर बेइंतिहा गर्मी पड़ने लगी। नदियों में जल का प्रवाह कम हो गया। अंटार्कटिका और साइबेरिया में हिम तेजी से पिघल उठे। कई स्थानों से तो लोगों को जलावतनी तक पर मजबूर होना पड़ा।*

मौसम विज्ञानी मानते हैं कि धरती के तापमान में अगर एक फीसदी की और बढ़ोतरी हुई, तो त्राहि-त्राहि मच जाएगी। इसके आसार अभी से दिखने लगे हैं। गई मई और जून को भारतीय मौसम विभाग ने आजाद भारत के इतिहास में सर्वाधिक गर्म करार दिया है। अगर यही हाल रहा, तो नवंबर भी इस बदनसीब सूची में एक और संख्या बढ़ाने जा रहा है। अगर ऐसा होता है, तो साल के 12 में से तीन महीने रिकॉर्डतोड़ गर्म साबित होंगे, यानी हमने 25 फीसदी समय ऐसी गर्मी में गुजारा, जिसके लिए हमारा दिल, दिमाग और देह अभ्यस्त नहीं हैं। मामला महज गर्मी तक नहीं सीमित है। अब बरसात और सर्दियां भी असामान्य होने लगी हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में पिछली 2 जुलाई को दक्षिण-पश्चिम मानसून छा गया था। इस साल सामान्य से करीब आठ फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर इसमें आश्चर्यजनक परिवर्तन पाए गए। कई स्थान ऐसे थे, जहां एक ही दिन में इतिहास बना देने वाली बारिश हुई, तो कहीं सूखा पड़ गया। अगस्त के अंत तक पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे तमाम प्रदेशों के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में दहाई अंकों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। तमाम शहर ऐसे थे, जहां एक भाग में लबालब पानी भरा हुआ था, तो दूसरा रीता पड़ा था। यह बारिश की दिलफरेबी है। आंकड़े कहते हैं कि औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई, परंतु बड़ा हिस्सा सिंचाई योग्य जल भी नहीं अर्जित कर पाया। इससे नदियों के प्रवाह पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

पिछले दिनों 'हिन्दुस्तान' में ही एक खबर छपी थी कि बिहार की 10 से ज्यादा नदियां मृतप्राय हो गई हैं। सिर्फ बिहार की ही क्यों, ऐसा कौन सा प्रदेश है, जहां छोटी नदियां दम नहीं तोड़ रहीं? दिल्ली से ही सटी बहती है हिंडन। इसके उद्धार के लिए जन-प्रतिनिधियों द्वारा वर्षों से दावे-प्रतिदावे हो रहे हैं। नदी की ओर देखिए, तो लगेगा जैसे एक बड़ा गंदा नाला उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में बह रहा है, जिसे लोग हिंडन के नाम से जानते हैं। याद रखिए, नदियां छोटी या बड़ी नहीं होतीं। वे हमारी सभ्यता और संस्कृति की रचयिता भी होती हैं। एक वक्त था, जब ऐसी नदियों से हजारों बीघा जमीन सिंचित होती थी। उनके किनारों पर पानी बिना खुदाई के मिल जाता था। लाखों लोग उनसे जीवन-यापन करते थे। सिर्फ इंसान ही क्यों, जलीय जीव भी इसमें शामिल हैं। पर्यावरण के निर्माण में उनकी भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण हुआ करती थी। प्रदूषित हवा, जल की कमी और बेतहाशा गर्मी के कारण हमारे शहरों से गौरैया तक गायब हो गई हैं। कल क्या-क्या गायब हो जाएगा, कोई नहीं जानता। आश्चर्यजनक तौर पर इंसानियत के लिए सर्वाधिक जरूरी इस मुद्दे पर हमारे यहां भयंकर चुप्पी छाई हुई है।

यही वजह है कि अदालतों को अक्सर दखल देना पड़ता है। पिछले दिनों प्रदूषण संबंधी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सुप्रीम कोर्ट ने जोरदार फटकार लगाई। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इनके आस-पास के इलाकों में पराली जलाने पर एक भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इससे साफ है कि आयोग इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई कि जिस बैठक में पराली जलाने के मामलों पर चर्चा होनी थी, उसमें आयोग के 11 सदस्यों में से सिर्फ पांच मौजूद थे। पिछले हफ्ते की शुरुआत में भी आला अदालत ने दीवाली के मौके पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर सरकारी मशीनरी को फटकार लगाते हुए कहा कि कोई भी धर्म प्रदूषण फैलाने की इजाजत नहीं देता। सिर्फ दीवाली पर ही क्यों, आपको तो बारहों महीने पटाखों पर रोक लगा देनी चाहिए। अदालत ने इसके लिए समिति बनाकर नियम तय करने को कहा है। अगली सुनवाई 25 नवंबर को है, उससे पूर्व सरकारी मशीनरी को फैसला ले लेना है।

यही वह मुकाम है, जहां यह सवाल सिर उठाता है कि हर मामले में अदालतें कितना और कहां तक दखल देंगी? उनकी अपनी सीमा है। सालों से वहां लाखों मुकदमे लंबित हैं। जजों के पद रिक्त हैं और मुकदमों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। यह सरकार और समाज का साझा मामला है। अगर सरकार की बात करें, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि देश भर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में 11,562 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 5,671 खाली हैं, अर्थात् 49 फीसदी पदों पर तो लोग ही नहीं हैं। दो राज्य तो ऐसे भी हैं, जहां 60 फीसदी से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। तंत्र की यह उदासीनता हमें कहां ले जाकर पटकेगी? अब आते हैं समाज पर। हमारे यहां बहुत कम लोग हैं, जो इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हैं। झारखंड और महाराष्ट्र में चल रहे चुनाव इसका उदाहरण हैं। दोनों ही राज्य सूखे से प्रभावित हैं, लेकिन न तो जनता और न नेता इस पर किसी चर्चा को तैयार हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बंटने के अभ्यस्त हमारे इस समाज को देखकर भला कौन कह सकता है कि हमारे पुरखे प्रकृतिपूजक थे!

नजरिया

अदालतों के निर्देश भी नहीं सुधार सके नदियों की सेहत

हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है। इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है। भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के कारण इस हालत से निपटने के लिए सरकारी प्रयास विफल साबित हुए हैं।

योगेंद्र योगी

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चुंकि जुर्माना नेता-अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन-प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है।

दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी कभी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण थी। अब प्रदूषण के कहर से जूझ रही है। आंकड़े बताते हैं कि यमुना का प्रदूषण स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। छठ जैसे पर्व पर महिलाओं को इस नदी पर स्नान करने से रोक लगाई गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में खतरनाक बैक्टीरिया और प्रदूषकों का स्तर मानक सीमा से कई गुना अधिक पाया गया है। दिल्ली में यमुना के प्रमुख हिस्सों में पानी की गुणवत्ता, बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और अन्य प्रदूषक तत्वों के कारण न केवल पीने के योग्य नहीं है। यमुना में प्रतिदिन लगभग 3,000 मिलियन गैलन से अधिक सीवेज प्रवाहित होता है। यह बिना किसी सफाई प्रक्रिया के सीधे नदी में जा रहा है।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ यानी एक अरब रुपये और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसी तरह बिहार सरकार में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा नहीं कर पाने को लेकर राज्य सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 नवंबर, 2023 को एनजीटी के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट (एसओई) रिपोर्ट 2023 में यह खुलासा किया कि देश के 30 राज्यों में कुल 279 (46 फीसदी) नदियां प्रदूषित हैं, हालांकि, 2018 के मुकाबले मामूली सुधार 2022 में देखा गया है। 2018 में 31 राज्यों में 323 नदियां प्रदूषित थीं। एसओई रिपोर्ट के मुताबिक देश की 279 अथवा 46 फीसदी प्रदूषित नदियों में सर्वाधिक प्रदूषित नदियां महाराष्ट्र (55) में हैं जबकि इसके बाद मध्य प्रदेश में 19 नदियां प्रदूषित हैं वहीं, बिहार में 18 और केरल में18 नदियां प्रदूषित हैं। उत्तर प्रदेश में 17 और कर्नाटक में 17 नदियां जबकि राजस्थान में 14 और गुजरात में 13, मणिपुर में 13, पश्चिम बंगाल में 13 नदियां प्रदूषित हैं। देश की सर्वाधिक पवित्र नदी गंगा के जल को घरों में रखा जाता था। अब हालत यह है कि गंगा नदी दो साल में 10 गुना मैली चुकी है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 जगहों से गंगा जल की जांच की गई। नदी के पानी में प्रदुषण का बुरा हाल देखने को मिला। प्लास्टिक की थैलियों, दूध की पॉलीथीन, नदी के किनारे शवों का जलाना, गंगा नदी को लगातार प्रदूषित कर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 स्थानों पर गंगा जल की जांच में यह भयावह तस्वीर सामने आई थी।

13 फरवरी 2023 को केंद्रीय जल शक्ति (जल संसाधन) राज्य मंत्री विश्वेश्वर टुडू ने संसद को बताया था कि नमामि गंगे कार्यक्रम गंगा नदी में प्रदूषण को कम करने में कारगर रही है। उन्होंने कहा था कि 2014 से केंद्र ने नदी की सफाई के लिए 32,912.40 करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गंगा नदी के पूरे भाग के 71 प्रतिशत क्षेत्र में कोलीफॉर्म के खतरनाक स्तर पाए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2022 की रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में कोलीफॉर्म का स्तर सात स्टेशनों पर सबसे ज्यादा था। एनजीटी ने राज्यों से सीवेज ट्रिटमेंट पर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। इसी की पालना में दिसंबर 2022 में उत्तर प्रदेश ने अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें स्वीकार किया गया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में मिलने वाले 1,340 नालों में से 895 (66.8 प्रतिशत) बिना किसी सिवेज ट्रिटमेंट के सीधा गंगा को दुषित कर रहे हैं। वर्तमान में भी हालात में ज्यादा सुधार नहीं है। वर्ष 2018-2019 में गंगा द्वारा ले जाए गए प्लास्टिक कचरे की का आकलन किया गया। नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी के गंगा नदी अभियान में ये पाया गया कि गंगा नदी का प्लास्टिक का कचरा बड़े पैमाने पर सुमद्र में मिल रहा है।

एक नए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया के कुल प्लास्टिक कचरे का लगभग 20 प्रतिशत भारत में पैदा होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल देश में लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जिसमें से 90 प्रतिशत नगर निगमों से आता है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर 50,000 से अधिक नगर पालिकाओं में प्लास्टिक कचरे पर नजर रखने के लिए उन्नत एआई मॉडल का इस्तेमाल किया गया। प्रकृति का सबसे बड़ा खजाना नदियों को शुद्ध रखने के प्रयासों की कमजोर हालत के कारण वे दिन दूर नहीं जब देश में जल संकट और गहरा होगा। शासन-प्रशासन और अदालतों ने शीघ्र इस दिशा में ध्यान नहीं दिया तो कृषि के लिए तो दूर पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

साफ दामन में दाग ढूंढने की बेकार कोशिश

सुनील दास

राजनीति में जिसका दामन दागदार हो जाता है,वह बदनाम हो जाता है,उसका नाम आते ही लोगों को याद आ जाता है कि इन लोगों की सत्ता थी तो इन लोगों ने क्या किया था। बहती गंगा में कैसे सबने हाथ धोया था, राज्य को पार्टी का एटीएम बना दिया था, जहां से पैसा निकाला जा सकता है, वहां से पैसा निकाला गया महादेव सट्टा से पैसा बनाया जा सकता था तो बनाया गया,शराब घोटाला पर पैसा बनाया जा सकता था तो बनाया गया। इसके अलावा कोल परिवहन सहित कई मामले हैं जो पिछली राज्य सरकार के दामन पर इतने गहरे दाग हैं वह बरसों फीके पड़ने वाले नहीं है।

ऐसे लोग अपने दामन को तो साफनहीं कर सकते क्योंकि वह तो हमेशा के लिए दागदार हो चुका है। यह सच है कि अभी कई मामलों की जांच चल रही है, सुनवाई चल रही है। लेकिन इससे इतना तो जनता को पता चलता है कि पांच साल का समय जनता ने सेवा के लिए दिया था तो जनता की सेवा तो कम की और पार्टी की सेवा की ज्यादा की। इसी का खामियाजा कांग्रेस पार्टी को पिछले चुनाव में भुगतना पड़ा। आम जनता से पूछा जाए कि पिछली कांग्रेस सरकार व वर्तमान भाजपा सरकार में सबसे बड़ा फर्क क्या है तो कोई भी आसानी से बता देगा कि पिछली सरकार ने जहां भी भ्रष्टाचार हो सकता था, होने दिया गया, करने दिया गया।वर्तमान सरकार जहां भी भ्रष्टाचार पिछली सरकार में हुआ है,वहां ऐसी व्यवस्था की गई है कि कोई भ्रष्टाचार न कर सके।

पिछले कुछ महीने में पिछली सरकार के भ्रष्टाचार के इतने मामले सामने आ चुके है कि जनता को लगता है कि यह सरकार जनता की सेवा करने आई थी या भ्रष्टाचार का रिकार्ड बनाने के लिए आई थी।जब भाजपा सरकार की जगह कांग्रेस की सरकार आई थी तो सब समझते थे यह तो साफ सुथरी सरकार है, चार साल तक कोई मामला इस सरकार का सामने नहीं आया लेकिन पांचवें साल इतने मामले सामने आए कि सरकार के लिए बचाव करना मुश्किल हो गया, हमेशा सीएम यही कहते थे कि उनकी सरकार और उनको बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

अब पिछली सरकार के समय हुए भ्रष्टाचार के मामलों के कारण सरकार तो बदनाम हो गई है तो जो बदनाम हो जाता है, जिसका दामन दागदार होता है,वह क्या करता है।जिसका दामन साफ है,उसके दामन में कहीं जरा सा दाग ढूंढने की कोशिश करता है ताकि जनता को बता सके कि देखो यह सरकार भी हमारी सरकार से अलग नहीं है। हमारे समय कुछ गलत हुआ है तो इनके समय भी यह गलत हो रहा है।कांग्रेस नेताओं को कुछ नहीं मिला साय सरकार के मनपसंद एप को लेकर जनता को यह बताने की कोशिश कर रही है, सरकार यह गलत कर रही है।

एप सरकार ने शराब पीने वालों की सुविधा के लिए बनवाया है।इस एप के जरिए ग्राहक यह जान सकेंगे कि किस दुकान में किस ब्रांड की शराब मिल रही है ताकि वह उस दुकान में जाकर अपनी पसंद की शराब खरीद सकें।इस एप से लोग शिकायत भी कर सकेंगे कि किस दुकान में किस ब्रांड की शराब नहीं मिल रही है।इससे सरकार को यह भी पता चल सकेगा कि किस ब्रांड की मांग राज्य में ज्यादा है।इस बात को लेकर कांग्रेस नेता सरकार की आलोचना कर सकते है, लेकिन हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ की एक बड़ी आबादी शराब पीती है। इससे सरकार को बड़ी आय होती है।ग्राहकों को सुविधा देने में कोई बुराई नहीं है।

यह कोई गलत काम नहीं है।सब कुछ सबके सामने हो रहा है।ऐसे में सरकार के नियंत्रण वाले इस काम को गलत बताने की कोशिश करना हास्यापद है कम से कम कांग्रेस नेताओं के लिए।वह तो अपने समय में आबकारी मंत्री का अधिकार ऐसे व्यक्ति को दे दिया था जो जितनी असली शराब बिकती थी, उससे ज्यादा नकली शराब सरकारी दुकानों में बिकवाता था ,जिस ब्रांड में ज्यादा कमीशन मिलता था, वह ज्यादा दुकानों में रखी जाती थी और लोगों को खरीदने को मजबूर किया जाता था। अपने कर्मों के कारण वे तमाम लोग जो शराब घोटाले के आरोपी है आज जेल में है।

आज खुशी की बात है कि साय सरकार के समय कम से कम ऐसा कुछ नहीं किया जा रहा है। ऐसा कुछ होने नहीं दिया जा रहा है। शराबबंदी की बात तो कांग्रेस को करनी ही नहीं चाहिए क्योंकि उसने महिलाओं का वोट लेने के लिए शराबबंदी का वादा किया लेकिन जैसे ही पता चला कि इससे तो पैसा कमाया जा सकता है, सरकार ने पांच साल शराबबंदी नहीं की। यह भूपेश बघेल सरकार की सबसे बड़ी असफलता है। वह कांग्रेस के सबसे बड़े नेता है और जो वादा किया वह पूरा नहीं कर सके। आज वह साफदामन वाले साय सरकार के प्रति शक पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे समय शराब में भ्रष्टाचार हो सकता है तो साय सरकार के समय भी हो सकता है लेकिन साय सरकार ने जनता के बीच घोषणा की है कि आबकारी विभाग उनके पास रहेगा। उन्होंने आबकारी विभाग अपने रखा ही नहीं, उसमें ऐसी व्यवस्था की है कि कहीं कोई भ्रष्टाचार न कर सके।

ऐसा करके उन्होंने खुद को भूपेश बघेल से बेहतर सीएम साबित किया है।भूपेश बघेल सिर्फ मजाक उड़ा सकते हैं, उससे साय का कुछ नहीं बिगड़ता है, उन्ही की भद पीटती है कि सत्ता जाते ही यह आदमी कितना नीचे स्तर की बात करने लगा है।भूपेश बघेल ने लिखा है कि शराब है खराब, ज्यादा बेचेंगे जनाब, ऐसा करते वक्त उनसे भी तो पूछा जा सकता था कि आपने कितनी शराब की खपत अपने वक्त में कम की थी।उन्होंने कहा है कि हमने बनाया है, हम ही पिलाएंगे तो सवाल उनसे भी पूछा जा सकता है क्या आपकी सरकार शराब नहीं पिलाती थी, घर पहुंचाकर शराब कौन देता था।कांग्रेस शराब के मामले में एक आरोप लगाएगी तो सौ आरोप उस पर लगाए जा सकते हैं क्योंकि शराब के मामले में उसका रिकार्ड बहुत खराब है।

(ये लेखक के विचार हैं)

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

जया वर्मा सिन्हा

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीजों को अलग नजरिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ साधन नहीं, सुरों की साधना का जरिया है। कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं – उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी!

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी जिन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये – यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है – चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की!

भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है। भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ हैं

(ये लेखक के विचार हैं।)

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T. R.N.-6/35/4/2016
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
100% JOB ORIENTED
स्टेनो
हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों की उपेक्षा का आरोप, संघ ने रखी मांगें

भिलाई। छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध लोक कलाकार नवल दास मानिकपुरी और कबीरधाम के जिला अध्यक्ष व गीतकार-संगीतकार सनी पांडेय ने प्रदेश में लोक कलाकारों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। मानिकपुरी और पांडेय ने जारी बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में सभी विधा के अनगिनत प्रतिभावान लोक कलाकार हैं लेकिन लोक कलाकारों की पूछपरख नहीं हो रही है। ज्यादातर लोक कलाकार आज भी शोषित पीड़ित उपेक्षित जीवन जीने के लिए कलाकार मजबूर हैं। छत्तीसगढ़ राज्य को बने 24 साल होने जा रहा है इस दरम्यान कांग्रेस भाजपा दोनों पार्टी की सरकार बनी लेकिन कलाकारों की सुध किसी ने नहीं ली। नवल दास मानिकपुरी ने कहा कि वह खुद लम्बे समय से कलाकारों की पीड़ा से सरकार को अवगत कराते आ रहे हैं और आज भी कलाकारों के उत्थान के लिए संगठन तैयार कर सभी जिला के सभी विधाओं के कलाकारों को संघ से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी कलाकार एक मंच में आकर एक साथ एक परिवार की तरह रहेंगे और कलाकारों का जो वाजिब हक है उस हक को पाने के लिए एक होकर सरकार से मांग करेंगे। पदाधिकारी द्वय ने राज्य सरकार से मांग की है कि शासकीय आयोजनों में उन्हें भी अवसर दिया जाए। जिससे कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सके। एक अन्य जानकारी में प्रदेश अध्यक्ष नवल दास मानिकपुरी ने बताया कि उनके संगठन का विस्तार लगातार जारी है। जिसमें कबीरधाम के जिला अध्यक्ष सनी पांडेय के साथ संतोष साहू उपाध्यक्ष, अलखा राम साहू कोषाध्यक्ष, रामकृपाल सिरश्याम जिला संयोजक, पुष्पेंद्र पांडेय सचिव, रफीक खान सह सचिव और संदीप यादव महामंत्री के रूप में नियुक्त हुए हैं।

धनोरा में 96 ग्रामीणों ने उठाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी के तहत भिलाई इस्पात संयत्र के सीएसआर विभाग एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग के संयुक्त तत्वधान में 13 नवम्बर 2024 को ग्राम धनोरा में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है। इस कैंप में कुल 96 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई एवं इनका पैथोलॉजी जांच भी किया गया। शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस चिकित्सा शिविर में सीएसआर की ओर से डॉक्टर निशी मिंज, फार्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, नर्स फिरोजा जोसफ एवं पंजीयन हेतु शंभुदयाल उपस्थित थे। इस शिविर में जिला परिषद दुर्ग की ओर से डॉक्टर ओमेश्वरी (सीएचओ), डॉ रौनिका वाणी (सीएचओ), जी आर राव (आरएचओ), खिलेश्वर चंद्राकर (आरएचओ), नवीन बंछोर (आरएचओ), लक्ष्मी शर्मा (फार्मासिस्ट), गोविंद साहू (एमएलटी) उपस्थित रहे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

विधायक रिकेश ने किया आह्वान, कहा -

भिलाइयंस सपरिवार फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' 25-26 को अवश्य देखने चलें क्योंकि झूठ को सच' ही बदलता है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सिनेमाघरों में वैशाली नगर निवासी जल्द ही फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखेंगे। विधायक रिकेश सेन ने अपनी विधानसभा से लगभग 35 हजार भारतीय जनता पार्टी के प्राथमिक सदस्य बनने वाले युवा, महिला, पुरूष व वरिष्ठ नागरिकों से भी यह फिल्म अवश्य देखने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि 25-26 नवंबर को वैशाली नगर के निवासी सपरिवार यह फिल्म देखेंगे जिसके लिए अलग-अलग सिनेमाघरों में व्यवस्था की जा रही है।

आपको बता दें कि विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। फिल्म को क्रिटिक्स की ओर से पॉजिटिव रिस्पांस मिला है और बीते दिन ही पीएम नरेंद्र मोदी ने भी फिल्म की तारीफकी। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आ रही है, जिसे आम लोग देख पाएंगे। विक्रांत मैसी की फिल्म वर्ष 2002 में गोधरा ट्रेन त्रासदी कहानी को बयां करती है। मोदीजी ने फिल्म के लिए कहा है कि झूठ का कितना भी लंबा दौर हो, उसे सच ही बदलता है।

गौरतलब है कि फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की कहानी गोधरा कांड पर आधारित है। अगर गोधरा कांड की बात की जाए तो ये भारत के इतिहास की वो घटना है, जो 27 फरवरी 2002 की सुबह घटी थी। इस दिन साबरमती एक्सप्रेस अपने टाइम पर 12 बजे गोधरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी।

बिहार के मुजफ्फरपुर से गुजरात के अहमदाबाद तक चलने वाली इस ट्रेन में हजारों यात्री सवार थे। उस दिन बड़ी संख्या में कार सेवक भी सवार थे। ट्रेन पर अचानक हमला हो जाता है और इसकी चार बोगी को फूंक दिया जाता है, जिसमें 59 लोग जल गए थे और 48 पेसेंजर घायल हो गए थे। इसी घटना के दौरान क्या क्या हुआ था ये सब विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में दिखाया गया है।

खुद का घर बनाने अब मोबाइल पर कर सकते है आवेदन : मोनिका वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाना और सहज हो गया है। दस्तावेज होने पर हितग्राही घर बैठे आवेदन कर सकते है। वे अपने मोबाइल से ओ टी पी की मदद से आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते है। शुक्रवार को रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने सभी एम आई सी और पार्षदों को हितग्राहियों को सीधे लाभ पहुंचाने कार्यशाला में नियमों को विस्तार से बताया।

मेयर इन काउंसिल और पार्षदों को किया ब्रीफ

आयुक्त मोनिका वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास के लिए अब हितग्राही को कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। हितग्राही अपने मोबाइल या फ्रि च्वाइस सेंटर से आवास के लिए आवेदन कर सकते है। अनिवार्य यह है कि आवेदन कर्ता का मोबाइल नंबर आधार से लिंक होना चाहिए। आवेदन भरते समय ओ टी पी आने पर आवेदक उस नंबर को दर्ज कर मांगी गई जानकारी को दे सकते हैं और हम उस फॉर्म को दो चरणों में सत्यापन कर आगे प्रेषित कर देंगे। इसके बाद हितग्राही का आवास स्वीकृत हो जाएगा। रिसाली नगर पालिक निगम के सभागार में हुए कार्यक्रम में महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, एमआईसी जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, चंद्रप्रकाश सिंह, संजू नेताम, अनिल देशमुख, डॉ सीमा साहू, ममता यादव, परमेश्वर देवदास, समेत पार्षद गण उपस्थित थे।

पात्रता की शर्ते

ऐसे हितग्राही होना चाहिए जिनका कही भी आवास न हो। इस योजना में केवल एक योजना का लाभ मिलेगा। जिनका माली हालत खराब है याने आय कम है उन्हें लाभ मिलेगा। जिन्होंने 31 दिसंबर 2023 के बाद आवास बनाने भरे फार्म में अरुचि दिखाई है उन्हें लाभ नहीं मिलेगा। योजना का लाभ लेने पूरे परिवार के सदस्यों का आधार जमा करना होगा। योजना का लाभ लेने उस निकाय में 31 अगस्त 2024 के पूर्व से रह रहा हो यह आवश्यक है।

आय की देनी होगी जानकारी

प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ लेने आय की जानकारी देना।आवश्यक है। हितग्राही को तसीलदार से आय प्रमाण पत्र बनाकर प्रस्तुत करना होगा।

हमेशा रेखांकित होता रहेगा रिटायर कर्मियों का बीएसपी-सोसाइटी के प्रति योगदान :मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी सेक्टर-6 भिलाई नगर द्वारा माह अक्टूबर या उसके पूर्व संयंत्र की सेवा से सेवानिवृत्त हुए संस्था के सदस्यों की भावपूर्ण विदाई दी गई। संस्था के सभागार में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त सदस्यों को अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने शाल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का खाता देय चेक देकर सम्मानित किया। अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने वरिष्ठ कर्मियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक पड़ाव है लेकिन आप लोगों ने अपने सेवाकाल में भिलाई स्टील प्लांट और अपनी सोसाइटी के लिए जो योगदान दिया,वह हमेशा रेखांकित होता रहेगा। उन्होंने रिटायर सदस्यों को जीवन के नए चरण की शुरुआत पर शुभकामनाएं दी।

इन रिटायर कर्मियों में रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से तिलकराम वर्मा,रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से गणेश राव, सिंटरिंग प्लांट 2 से रामजी,मर्चेंट और वायर रॉड मिल से शंकरलाल ठाकरे,ब्लास्ट फर्नेस से कामता प्रसाद ठाकुर,कोल हैंडलिंग प्लांट से अजय कुशवाहा, मेडिकल से मुकेश मून,एनर्जी मैनेजमेंट विभाग से ऋषि कुमार,जीएडी से बी.मूर्ति,स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से मानस कुमार, कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से अशोक कुमार,आई तेजश्वरा राव,टीईडी से सतीश कुमार,ब्लास्ट फर्नेस से राजेंद्र कुमार,प्लेट मिल से सज्जाद हुसैन, एलडीसीपी से चंचल प्रसाद,स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से जुगल किशोर सिंह, स्टोर्स से श्रीमती फिलोमिना, जीएडी से दुर्गा वर्मा,जनरल एस्टेब्लिशमेंट से मधुमिता घोष और मेडिकल से डॉक्टर लता देवांगन शामिल हैं। इन रिटायर सदस्यों में जुगल किशोर सिंह और सज्जाद हुसैन सहित कई अन्य ने भी सोसायटी के साथ अपने वर्षों पुराने संबंधों को याद किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष द्वय इंदरजीत कौर और अमिताभ तथा संचालक गण हरिराम यादव, नीरजा शर्मा, कुलेश्वर चंद्राकर, विनोद वासनिक और पवन साहू मुख्य रूप से उपस्थित थे।

लेरिना काशीपुरी को सांसद बघेल ने नाद मणी सम्मान से किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की शान लेरिना काशीपुरी ने नादोत्सव 2024 में कत्थक नृत्य में प्रथम पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है।

लेरिना काशीपुरी ने पिछले 13 सालों से लगातार नृत्य के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनकी इस यात्रा में उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन उनकी दृढ़ता और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। नादोत्सव 2024 का आयोजन सेक्टर 6, भिलाई में जैन कला संगीत महाविद्यालय द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में लेरिना काशीपुरी ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लेरिना काशीपुरी को सांसद विजय बघेल द्वारा विशेष सम्मान नाद मणी सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। हम लेरिना काशीपुरी को इस उपलब्धि के लिए हृदय से बधाई देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि उनके परिवार, शिक्षकों और समाज के लिए भी एक गर्व का पल है। लेरिना काशीपुरी की यह उपलब्धि हमें यह याद दिलाती है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता से हम अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। हमें उम्मीद है कि लेरिना काशीपुरी की यह उपलब्धि हमारे समाज में एक प्रेरणा के रूप में काम करेगी।

मैराथन में बीएसपी के कर्मचारी ने लहराया जीत का परचम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट- 2 में इंजिनियर एसोशिएट के पद पर कार्यरत बी आर नेताम (53 वर्ष) ने 10 नवम्बर 2024 को रायपुर में आयोजित द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन में 10 किमी मैराथन 45 मिनट में पूरा कर द्वितीय स्थान हासिल किया। जिसके लिए उन्हें मेडल और 5000 रूपये की राशि पुरस्कार स्वरुप प्राप्त हुआ। द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन में छत्तीसगढ़, उडीसा, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के एथलीटों ने भाग लिया था। बी आर नेताम ने 6 अक्टूबर 2024 को गंगरेल मानसून ट्रेल रन में 10 किमी का मैराथन, 43 मिनट में पूरा कर प्रथम स्थान हासिल किया। जिसके लिए उन्होंने पुरस्कार के रूप में मेडल और 6000 रूपये की राशि अर्जित की। उन्होंने 16-20 अक्टूबर को रायपुर में आयोजित 27 वें आल इंडिया फोरेस्ट स्पोर्ट्स मिट-2024 में निर्णायक की भूमिका निभाई।

श्री नेताम ने 14 जुलाई 2024 को राजहरा मैराथन 2024 ओपन स्टेट लेवल के लिए 35 प्लस आयु वर्ग में भाग लिया। जिसमे उन्होंने 5 किमी, 21 मिनट में पूरा कर टॉप 10 में 10 वां स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उन्होंने मेडल और 2500 रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में अर्जित की। उन्होंने 7-8 फरवरी को रायपुर में आयोजित ''एस के रायपुर मैराथन में 11 किमी मैराथन 48 मिनट में पूरा कर चैथा स्थान हासिल किया। साथ ही 7-8 फरवरी को अन्य श्रेणी में आयोजित एस के मैराथन में ही 3 किमी दौड के लिए सातवाँ स्थान प्राप्त किया। श्री नेताम ने मार्च 2024 को नारायणपुर में आयोजित सेल खेल मेला-2024 में निर्णायक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

बी आर नेताम भिलाई इस्पात संयंत्र में 13 दिसम्बर को इंटर डिपार्टमेंट मैराथन में भी भाग लेने हेतु पूरे जोश के साथ पूरी तैयारी में लगे हुए हैं। जो सेक्टर 4 स्थित सेल एकेडमिक ग्राउंड में आयोजित होने वाला है। इसके अतिरिक्त आल इंडिया एथलेटिक चैम्पियनशिप-2025 में भाग लेंगें। बिलासपुर जिले में मास्टर एथलेटिक चैम्पियनशिप-2024 का स्टेट लेवल मैराथन में भी भाग लेंगे, जो दिसम्बर 2024 के दूसरे सप्ताह में होना सम्भावित है। जिसमें प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को नेशनल लेवल के लिए हरियाणा जाना होगा।

इसके अतिरिक्त वे रायपुर रन मैराथन में एसएमएस-2 विभाग के गंगेश्वर देवांगन ने, 50 प्लस आयु वर्ग में 10 किमी मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीत की इस श्रृंखला में हमारे भिलाईवासी भी पीछे नहीं हैं। भिलाई की रुखमानी साहू ने 21 किमी मैराथन में प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं हिमांशु ने 10 किमी की सभी श्रेणियों के मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 10 किमी मैराथन में सुश्री प्रियंका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

यूथ प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ने ठंड से ठिठुरते लोगों को ओढ़ाया कंबल

धमतरी। कार्तिक के महीने में ठंड धीरे-धीरे बढ़ता जा रही है। रात 8 के बाद ठंड का एहसास होने लगा है। ऐसे में सड़कों के किनारे सोने वाले लोगों की सेवा के लिए यूथ प्रेस वेलफेयर फाऊंडेशन धमतरी द्वारा गरम कपड़ा कंबल वितरण किया गया। यूथ प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यकर्ता शहर में कंबल बांटने के लिए निकले। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,मकई चौक, सदर बाजार, गांधी चौक और मां विंध्यवासिनी मंदिर के आसपास ठंड से लोगों को गर्म कपड़ा कंबल वितरण किया गया। फाउंडेशन के डॉ. भूपेंद्र साहू, राममिलन साहू, शैलेंद्र नाग ने कहा कि आने वाले दिनों में ठंड का एहसास और बढ़ जाएगा। ऐसे में हमें अपने घरों के आसपास रहने वाले जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। भगवान ने हमें जीवन दिया है, इसलिए समाज में कुछ ऐसा काम किया जाए जिससे हमारा यह मानव तन सफल हो जाए। उनका कहना है कि ठंड के मौसम को देखते हुए यूथ प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर सड़क किनारे सोने वाले जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया जाता रहेगा। इस मौके पर वैभव चौधरी, सिद्धार्थ साहू, धीरज सोनकर आदि भी मौजूद रहे।

16 पदों पर होगी संविदा भर्ती

रायपुर। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण के द्वारा वार्डन, स्टोरकीपर, सहायक ग्रेड-3 एवं भृत्य के कुल 16 पदों पर संविदा भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया। जिनमें राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई बिलासपुर हेतु वार्डन (पुरूष) 1 पद, वार्डन (महिला) 1 पद, स्टोरकीपर 1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1 पद एवं भृत्य के 02 पद शामिल हैं।

इसके साथ ही मैदानी कार्यालयों के लिए भृत्य के 10 पद शामिल हैं। संचालक खेल एवं युवा कल्याण तनुजा सलाम ने बताया कि विभागीय सेटअप अनुसार ऐसे सभी रिक्त पद जिन पर वित्त विभाग से भर्ती की अनुमति प्राप्त है, उन पर जल्द से जल्द भर्ती की कार्यवाही सम्पन्न कराई जाएगी। संविदा के रिक्त पदों पर विज्ञापन जारी कर दिया गया है। वित्त विभाग से अनुमति प्राप्त नियमित पदों पर लोक सेवा आयोग तथा व्यापम के माध्यम से सीधी भर्ती के लिए भी शीघ्र प्रस्ताव भेजा जाएगा। उपर्युक्त उल्लेखित संविदा के रिक्त पदों के लिए इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में अंतिम तिथि 29 नवम्बर 2024 तक शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से जमा करा सकते हैं। प्राप्त आवेदनों पर विभागीय भर्ती नियमों के अनुरूप भर्ती समिति की अनुशंसा पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए संचालक ने भर्ती समिति का गठन कर दिया है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट www.sport-syw.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन पत्र एवं विस्तृत विज्ञापन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विभागीय वेबसाइट और संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायपुर के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

विज्ञान वाणिज्य कला पर्यावरण प्रदर्शनी व आनंद मेला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री वामन राव लाखे हायर सेकेंडरी स्कूल एवं एसपी इंग्लिश मीडियम स्कूल तेंदुआ रोड यदुवंशी चौक हीरापुर में विज्ञान वाणिज्य कला एवं पर्यावरण का प्रदर्शनी एवं आनंद मेला का भव्य आयोजन किया गया प्रदर्शनी का उद्घाटन अजय तिवारी, अध्यक्ष प्रबंध समिति, आरके गुप्ता उपाध्यक्ष प्रबंध समिति, अनिल तिवारी सचिव प्रबंध समिति दिनेश शर्मा कार्यकारिणी सदस्य प्रबंध समिति, दिलीप षाडंगी कार्यकारिणी सदस्य प्रबंध समिति,वीर सावरकर नगर वार्ड हीरापुर की पार्षद कमलेश्वरी वर्मा,डॉ देवाशीष मुखर्जी प्राचार्य महंत कॉलेज रायपुर, भारती यादव प्राचार्य गांधी चौक स्कूल, मंजू साहू प्राचार्य वामन राव लाखे स्कूल हीरापुर आशा बोस प्राचार्य एसपी इंग्लिश मीडियम स्कूल ममता तिवारी एवं व्यवस्थापक विष्णु महोबिया की उपस्थिति में प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में सम्मलित मुख्य अतिथि अजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में विद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में बच्चे बढ़-चढ़ करके

भाग ले रहे हैं यह उनकी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को निखारने का एक सरल एवं उत्तम मार्ग है जो हमारे विद्यालय के बच्चों को अवसर प्रदान कर रहा है जिससे कि बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को सहज रूप से निखारा जा सके।

सचिव अनिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों में व्याप्त रचनात्मक कला को निखारने का सर्वोत्तम स्थल प्रदर्शनी के माध्यम से सरलता से किया जा सकता है जिसका आज महाविद्यालय प्रांगण में इस प्रदर्शनी का आयोजन बच्चों ने अपनी उत्साह वर्धन के साथ किया। समिति के उपाध्यक्ष आरके गुप्ता ने कक्षा छात्र सातवीं की छात्रा सृष्टि सागर के अद्वितीय प्रदर्शन एवं व्याख्यान से प्रभावित होकर के नगद राशि से पुरस्कृत किया प्रदर्शित मॉडल्स में 392 छात्रों ने भाग लिया प्रदर्शनी में प्रथम स्थान में विज्ञान संकाय के छात्रों ने बाजी मारी जबकि द्वितीय स्थान पर वाणिज्य के छात्रों ने अपना स्थान बनाया वही जूनियर छात्रों में कक्षा सातवी प्रथम एवम द्वितीय कक्षा चौथी के छात्र रहे।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में विद्यार्थियों की दक्षता का परीक्षण 4 दिसंबर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने प्रदेश के स्कूलों में राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण के मद्देजर स्कूलों की दक्षता बढ़ाने के लिए गंभीरता के साथ तैयारी करने के निर्देश दिए है। गौरतलब है कि आगामी माह के 4 दिसम्बर को कक्षा 3री, 6वीं और 9वीं के विद्यार्थियों की दक्षता को राष्ट्रीय सर्वेक्षण होना है। इसके तहत केन्द्रीय स्कूल शिक्षा मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों की दक्षता का परीक्षण किया जाएगा।

शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभागीय अधिकारियों को राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए हर स्तर पर व्यापक प्रशासनिक, प्रबंधकीय व अकादमिक तैयारी प्रारंभ करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण-2024 के आकलन कार्य के सभी जिलों में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन को सुनिश्चित कराने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक तथा प्राचार्य डाइट को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य के 99 जिला स्तरीय अधिकारी जिले में परख क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं 146 विकासखंडों में बीईओ, बीआरसीसी तथा संकुल प्राचार्य को संयुक्त जिम्मेदारी सौंपते हुए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शिक्षा सचिव श्री परदेशी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत देश भर में एक साथ होने जा रहे इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य स्कूली

शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठचर्या रूपरेखा 2023 के साथ उच्च गुणवत्ता युक्त वैश्विक मूल्यांकन विकसित करना है। उल्लेखनीय है कि केंद्र शासन द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 छत्तीसगढ़ में भी लागू किया जा चुका है। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में नवीन शिक्षा नीति के लक्ष्यों के अनुरूप कक्षा 3री, 6वीं और 9वीं में आधार भूत प्रारंभिक एवं मध्य चरणों के अंत में छात्रों की दक्षता का आकलन किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण छत्तीसगढ़ के मात्र छात्र-छात्रों का नहीं बल्कि, शिक्षक, स्कूल तथा संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था का मूल्याँकन सिद्ध होगा, जिसके आधार पर भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ सहित अन्य सभी राज्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता का श्रेणी निर्धारण भी होगा।

उन्होंने बताया कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण में कक्षा 3री के लिए भाषा, गणित एवं हमारे आसपास की दुनिया से 90 मिनट में 45 प्रश्न पूछे जाएँगे। कक्षा 6वीं के लिए उक्त विषयों से संबंधित 51 प्रश्न 90 मिनट में पूछे जाएँगे। कक्षा 9वीं में भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान के 60 प्रश्न 120 मिनट पर हल करने होंगे। परीक्षार्थियों को एक ही प्रश्न पत्र दिया जायेगा। परख मूल्याँकन माइनस मार्किंग नहीं होगी। केंद्र सरकार के नियमानुसार जिस माध्यम की शाला चयनित की गई, उस माध्यम की प्रथम भाषा पर सर्वे अर्थात् प्रश्नपत्र होगा । यदि अंग्रेजी माध्यम की कई शाला सेम्पल शाला के रूप में चयनित की जाती हैं, तो वहाँ अंग्रेजी भाषा में आकलन परीक्षा निर्धारित होगी।

राज्य में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के लिए सेंपल शालाओं के रूप में जिले की शासकीय सहित राज्य शासन से अनुदान प्राप्त शालाओं, गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं, केंद्रीय, नवोदय विद्यालयों को सीधे भारत शासन, स्कूल शिक्षा वि नई दिल्ली द्वारा चयनित व निर्धारण किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 33 जिलों में कुल 3420 को चुना गया है। इस मूल्याँकन सर्वेक्षण या परीक्षा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि मूल्याँकन कार्य की पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के शासकीय या अशासकीय किसी भी शिक्षक को परीक्षक या पर्यवेक्षक के रूप में कार्य में नियुक्त नहीं किया जायेगा, बल्कि परीक्षा का मूलभूत कार्य राज्य के शासकीय डाइट कालेज में छात्राध्यापक या प्रशिक्षु शिक्षक अर्थात् अध्यनरत डीएलएड, बीएड एवं एमएड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा संपन्न कराया जायेगा ।

विशेष परिस्थिति में शासकीय कॉलेज के विद्यार्थी, अशासकीय प्रशिक्षण संस्थाओं के डीएलएड, बीएड, एमएड प्रशिक्षणार्थियों को लिया जा सकेगा। परीक्षा कार्य संपन्न कराने वाले ऐसे लगभग 3800 छात्राध्यापकों को जिले के 33 डाइट के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे सुचारू पूर्वक परीक्षा कार्य बिना बाधा के पूरा करा सकें। इस सर्वेक्षण के पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा सीबीएसई के प्रशासनिक व अकादमिक अमले को ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया गया है जो प्रत्येक निर्धारित परीक्षा केंद्र में मानटरिंग करेंगे। राज्य के विद्यार्थी अपनी शैक्षिक दक्षता का राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें इसके लिए परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण की पूर्व तैयारी के रूप में एससीईआरटी तथा समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्या द्वारा राज्य के सभी स्कूलों के कक्षा 3री, 6वीं तथा 9वीं के विद्यार्थियों को प्रश्न बैंक एवं रीडिंग कार्ड उपलब्ध कराया गया है। उनके लिए विशेष तौर पर सभी निजी व सरकारी स्कूलों में मॉक टेस्ट का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस कार्य में राज्य के लगभग 146 निजी शिक्षा महाविद्यालयों के 19 हजार छात्र अध्यापकों का भी स्वैच्छिक सहयोग लिया जा रहा है।

विधायक मिश्रा ने 75 लाख के नवीन सौंदर्यीकृत कार्यो का लोकार्पण कर दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 के जोन अध्यक्ष और महात्मा गाँधी वार्ड नम्बर 12 के पार्षद डॉक्टर प्रमोद साहू सहित वरिष्ठ नागरिकों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, महिलाओं, आमजनों, वार्ड के रहवासियों, नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, उप अभियंता नरेश कुमार साहू और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के उप अभियंता योगेन्द्र साहू सहित सम्बंधित अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में महात्मा गाँधी वार्ड नम्बर 12 के क्षेत्र के तहत देवेन्द्र नगर सेक्टर 5 के उत्तम वाटिका गार्डन एवं देवेन्द्र नगर सेक्टर 4 गार्डन में समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा लगभग 75 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से करवाए गए नवीन सौंदर्यीकृत विकास कार्यों का लोकार्पण कर नागरिकों को शानदार सौगात दी।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा उत्तम वाटिका गार्डन में लगभग 42 लाख रूपये की लागत से बाउंड्रीवाल संधारण कार्य, पौधरोपण कार्य, नवीन खेल उपकरण, म्यूरल पेंटिंग कार्य, पाथ वे विकास कार्य, प्रकाश व्यवस्था पेयजल व्यवस्था सहित विविध सौंदर्यीकरण कार्य गए हैं. इसी तरह देवेन्द्र नगर सेक्टर 4 के गार्डन में विविध नवीन सौंदर्यीकरण कार्य रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने लगभग 34 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से करवाये हैं. बाउंड्रीवाल संधारण कार्य, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पौधरोपण, पाथ वे विकास कार्य आदि विविध नए सौंदर्यीकरण कार्य करवाए हैं।

आयुर्वेद चिकित्सालय पहुंचे निकुम कालेज के छात्र-छात्राएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली एवं विभिन्न औषधि पौधों के महत्व को जाना

निकुम। स्व. पुकेश्वर सिंह भारदीय शासकीय महाविद्यालय निकुम के वनस्पति शास्त्र विभाग के द्वारा राजीव लोचन आयुर्वेदिक अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज चंदखुरी दुर्ग के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र अन्नपूर्णा यादव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में स्वदेशी चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद को शामिल किया गया है, छात्रों को आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली एवं विभिन्न औषधि पौधों के महत्व की समझ विकसित करने हेतु इस भ्रमण का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम डॉ. योगेश्वर पांडे सहायक प्राध्यापक शरीर क्रिया ने प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं का अभिनंदन करते हुए आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली के मूलभूत सिद्धांतों से अवगत कराया। तत्पश्चात डॉ लाल रवि साहू ने पंचकर्म चिकित्सा, डॉ. रूमिना खान ने महिला चिकित्सा, डॉ. सागर शर्मा

ने स्वस्थ वृत्त एवं योग, डॉ. कामना सिंह ने रोग निदान, डॉ. धर्मपाल सिंह ठाकुर ने रचना शरीर, डॉ. भानुप्रताप पलके ने कौमार्य, डॉ. सूरज कुमार ने रोगनिदान विभाग, डॉ. देवेश्वर प्रसाद ने शल्यतंत्र एवं डॉ. चंद्रकांत उपाध्याय ने शलाक्य तंत्र विभाग से संबंधित जानकारी विस्तार से प्रदान की।

प्रभारी डॉक्टर के द्वारा चिकित्सा पद्धति, उपयोग में ली जाने वाली औषधियां एवं स्वस्थ जीवन शैली में योग के महत्व, पंचकर्म चिकित्सा प्रणाली पद्धति के बारे में जानकारी दी एवं छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए शंकाओं का समाधान भी किया गया। इसके पश्चात मेडिकल कॉलेज के भ्रमण के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में लगाए गए विभिन्न औषधीय पौधों एवं उन पौधों के उपयोगी भाग ,रोग विशेष के लिए उनकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण डॉ अंजु बैन एवं डॉ उमा वर्मा के द्वारा प्रदान किया गया।

परिसर में दुर्लभ प्रजाति के वृक्षों एवं पौधों को देखकर छात्र अभिभूत हो गए। इस भ्रमण से छात्र न केवल आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली से अवगत हुए बल्कि उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारत के औषधीय पौधों के विशाल भंडार की भी जानकारी प्राप्त हुई। दुर्ग ग्रामीण अंचल में स्थापित राजीव लोचन आयुर्वेदिक अस्पताल एवं महाविद्यालय के द्वारा भ्रमण की अनुमति प्रदान करने ,एवं छात्रों को आयुर्वेद से जुड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए महाविद्यालय परिवार निकुम, हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजू साहू, प्रभा साहू, प्राचार्या डॉ वंदना फटिग, फैकल्टी डॉ मंजूषा सोनपिपरे, आदि का हृदय से आभार मानता है। भ्रमण में डॉ शिप्पी देवांगन का सहयोग रहा।

दिव्यांगों को बिना सहारे चलते देख सभी हुए रोमांचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महावीर इंटरनेशनल त्रिशला द्वारा विनय मित्र मण्डल के पचपेड़ी नाका स्थित वर्कशॉप में पैर कटे दिव्यांगों को जयपुर पैर के वितरण की श्रृंखला में शनिवार को 311 वां कृत्रिम पैर वितरित किया गया। त्रिशला की अध्यक्ष शीला श्रीश्रीमाल ने बताया कि 10 पैर कटे भाई बहनों को बिना सहारे चलते देखकर सभी उपस्थितजन रोमांचित महसूस करने लगे।

सभी जयपुर पैर श्रीश्रीमाल परिवार की समधन राजकुमारी इंदर चंद कोचर, झांसी की सौजन्य से दिये गए हैं । राजकुमारी कोचर परिवार की ओर से इस वर्ष 53 दिव्यांगों को जयपुर पैर प्रदान किये गए हैं। विनय मित्र मण्डल द्वारा संचालित जयपुर पैर के स्थायी वर्कशॉप में घुटनों के ऊपर से कटे 1 दिव्यांग व घुटने से नीचे से पैर कटे 9 भाई बहनों को कृत्रिम पैर लगाकर चलाया गया। जिसमें रिंकू सिंग 8 वर्ष की उम्र से पिछले 30 वर्षों से जयपुर पैर लगवा रही है। भाटापारा के पास ग्राम परसवानी की 30 वर्षीय ज्योति के दोनों पैर ट्रेन दुर्घटना में 2 वर्ष पूर्व कट गए थे, आज विनय मित्र मण्डल के वर्कशॉप में दोनों पैरों में जयपुर पैर लगाकर खड़ी हुई तो खुशी से रो पड़ी।

इस कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल त्रिशला की शीला श्रीश्रीमाल, इन्दु लोढ़ा, लीला श्रीश्रीमाल, राजकुमारी कोचर, रंजना श्रीश्रीमाल, जयश्री पुगलिया, राजश्री श्रीश्रीमाल, सुधा सेठिया उषा कोठारी उपस्थित थी। गवर्निंग काउंसिल के मेम्बर देवीचंद श्रीश्रीमाल, रमेश कोठारी विनय मित्र मण्डल के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कोचर, खेमराज बैद सचिव आकाश गोलछा उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती इन्दु लोढ़ा ने किया। इस अवसर पर नरेश राणा, मोहम्मद रफ़ीक, ललिता साहू, कुमारी रिंकू सिंग, कृपाराम वासुदेव, ज्योति गहरवार, राकेश वर्मा, श्रीमती विश्वजीत टंडन को जयपुर पैर नि:शुल्क प्रदान किये गए।

करेला के जूस में छिपा है सेहत का राज, रोजाना पीने से मिलेंगे कई फायदे

करेला का जूस शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। यह एक खास तरह की सब्जी होती है। जो कड़वे स्वाद और अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं। करेला का जूस सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें कई तरह के औषधीय गुण होते हैं। करेला का जूस भले ही स्वाद में कड़वा होता है लेकिन यह पूरे शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। साथ ही साथ ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। इसे पीने से हार्ट हेल्थ से लेकर पाचन भी काफी अच्छा होता है। इसका ड्रिंक पीना है तो आप इसमें नींबू, अदरक और शहद मिलाएं। ताकि इसका स्वाद काफी ज्यादा अच्छा रहे।

करेले का जूस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूर

करेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से इम्यूनिटी बढ़ती है, संक्रमण होने का खतरा भी कम होता है। करेले में मौजूद विटामिन ए और बीटा कैरोटीन की मात्रा आंखों के लिए काफी फायदेमंद होती है, इसे नियमित रूप से पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। करेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं।पिंपल या मुंहासे को भी कम करने में मदद करते हैं। करेले में मौजूद बिटर्स और अल्कलॉइड तत्व रक्तशोधक का काम करते हैं।

करेले का जूस कंट्रोल करता है डायबिटीज

करेले का जूस पीने से डायबिटीज कंट्रोल में होता है। इसे पीने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल नियंत्रण में रहता है। इससे डायबिटीज के लक्षण कम होते हैं यह शरीर में इंसुलिन को एक्टिव करता है। करेले का जूस लीवर के लिए भी हेल्दी होता है, ये लिवर एंजाइम को बढ़ाने के साथ-साथ लिवर को डिटॉक्स करने में भी काफी मददगार होता है। करेले का जूस मोटापे सहित खूनी बवासीर में भी फायदेमंद होता है, इससे पाचन क्रिया सही रहती है।

डायबिटीज मरीज के लिए करेले का जूस वरदान की तरह है । यह काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। साथ ही इसमें पाए जाने वाले तत्व शरीर में इंसुलिन के लेवल को बढ़ाते हैं। साथ ही शुगर कंट्रोल करते हैं। अगर डायबिटीज मरीज इसे सही तरीके से पढ़े तो यह डायबिटीज मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

अदा शर्मा ने पिता के सेंस ऑफ ह्यूमर को किया याद

अदा शर्मा ने हाल ही में अपने पिता के हास्य बोध के बारे में बात की और खुलासा किया कि उनके पास सबसे खराब परिस्थितियों में भी हंसी ढूंढने की क्षमता थी। इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री ने अपने पिता के साथ बचपन की तस्वीरें शेयर कीं, साथ ही एक नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके दिवंगत पिता गंभीर परिस्थितियों में भी हंसी ढूंढ ही लेते थे।

द केरल स्टोरी' की अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरे पिता का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत खराब था। वह सबसे बेतुकी चीजों में भी हास्य ढूंढ लेते थे। मैंने उनसे सबसे खराब परिस्थितियों में भी हास्य ढूंढना सीखा। लोग मुझसे कहते रहते हैं कि चिंता मत करो, वह हमेशा तुम्हारे साथ हैं और हमेशा तुम्हें देखते रहते हैं। वो मुझे लाश की एक्टिंग करने को कहते थे। उन्हें यह निश्चित रूप से बहुत मजेदार लगता और हम सब एक साथ खूब हंसते थे। जब भी मैं अब हंसती हूं तो मुझे याद आता है कि कैसे वह हंसते हुए अपनी कुर्सी से गिर जाते थे और मुझे इस बात का दुख होता है कि मैं उन्हें फिर कभी हंसते हुए नहीं देख पाऊंगी, लेकिन मैं और अधिक हंसती हूं क्योंकि जब भी मैं हंसती हूं तो मुझे याद आता है कि कैसे वह हंसते हुए अपनी कुर्सी से गिर जाते थे।

एक इंटरव्यू में पहले अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उसे यह पूरी तरह से स्वीकार करने में दो साल लग गए कि उसके पिता अब नहीं रहे। अदा के पिता एस.एल. शर्मा तमिलनाडु के मदुरै से थे और वह भारतीय मर्चेंट नेवी में कैप्टन थे। हाल ही में अभिनेत्री को शो रीता सान्याल में देखा गया था। अभिरूप घोष के निर्देशन में बनी टेलीविजन सीरीज का प्रीमियर 14 अक्टूबर, 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ था। बड़े पर्दे पर अदा को पिछली बार सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित एक राजनीतिक थ्रिलर बस्तर: द नक्सल स्टोरी में देखा गया था। इसमें इंदिरा तिवारी, विजय कृष्ण, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा, सुब्रत दत्ता और राइमा सेन भी थीं।

विजय देवरकोंडा और राधिका मदान का गाना साहिबा जारी

अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री राधिका मदान के गाने साहिबा का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म हो चुका है। दरअसल, साहिबा गाना रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इस गाने को जसलीन रॉयल ने अपनी आवाज दी है, जिन्हें दिन शगना दा, हीरिये और माये नी जैसे गानों के लिए जाना जाता है। इस दौरान स्टेबिन बेन ने भी उनका साथ दिया है।

विजय और राधिका की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। प्रिया सरैया और आदित्य शर्मा ने इस गाने के बोल लिखे हैं। जसलीन ने ही इस गाने को कंपोज किया है।विजय ने गाना साझा करते हुए लिखा, बिना शर्त प्यार के लिए एक प्रेम पत्र, साहिबा अब आ गया है। उम्मीद है कि आप सभी को यह उतना ही पसंद आएगा जितना हमें इसे बनाते समय आया।

विजय के साथ साहिबा गीत को करके जसलीन काफी खुश हैं। वह विजय को सुरपहीरो मानती हैं और उनके साथ काम करने को किसी सपने के पूरे होने जैसा मानती हैं। उन्हें उम्मीद है कि श्रोता इस गाने को भी खूब प्यार देंगे। आगे भी वह विजय के साथ काम करने की इच्छा रखती हैं।

इस गाने के अलावा विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म वीडी 14 को लेकर भी चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि यह एक वॉर ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय अलग रूप में नजर आ सकते हैं। उनके फैंस के लिए विजय को इस तरह के किरदार में देखना काफी बेहतरीन अनुभव साबित होगा। इसके अलावा भी विजय कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं जिनके बारे में अभी विस्तार से जानकारी नहीं मिली है।

हुमा कुरैशी ने अनाउंस की महारानी-4 सीरीज को दिया सक्सेस का क्रेडिट

हुमा कुरैशी की पॉलिटिकल ड्रामा वेब सीरीज महारानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं। वहीं अब फैंस महारानी के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे और इसी बीच हुमा कुरैशी ने सीरीज का चौथा सीक्वल अनाउंस कर दिया है।

हुमा कुरैशी ने साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने डेढ़ इश्कियां, तरला, एक थी डायन और डबल एक्सेल जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन उन्हें जो पहचान महारानी जैसी वेब सीरीज से मिली, वो फिल्मों से हासिल ना हो सकी। इस बारे में खुद एक्ट्रेस ने खुलकर बात की है।

हुमा कुरैशी ने कहा- एक इंडस्ट्री के तौर पर अब समय आ गया है कि हम अपने अंदर देखें और सोचें कि हम अपनी कहानियों को अलग तरीके से कैसे बता सकते हैं। दर्शक हमसे क्या उम्मीद कर रहे हैं या वे किसके लिए तैयार हैं। मैं स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स, बड़ी फिल्मों और इंडी फिल्में

मिलाकर रही हूं। मुझे यही करना पसंद है, हर जगह अपना दांव लगाना।

हुमा कुरैशी ने अपनी पॉपुलर सीरीज महारानी को अपनी सक्सेस का क्रेडिट दिया। वे कहती हैं- मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को साफ तौर पर डिफाइन कर सकती हूं। ये वो शो था जहां लोग खड़े हुए और मेरी काबिलियत पर ध्यान दिया। इसकी सफलता ने लोगों को उन रोल्स में मेरी कल्पना करने पर मजबूर कर दिया जो वे पहले नहीं कर पाते थे। और अब, महारानी का सीजन 4 आने वाला है।

इस दौरान हुमा कुरैशी ने ओटीटी पर अपनी कामयाबी और ओटीटी सिनेमाघरों से ज्यादा क्यों कर रहा है, इसपर भी बात की। उन्होंने कहा- ओटीटी एक बटन के टैप पर एंटरटेनमेंट देता है और ये बहुत बड़ी ताकत है। लेकिन मुझे लगता है कि ये एक अलग तरह के कंटेंट के लिए है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें बड़े पर्दे पर उसी तरह एक्सपीरियंस किया जाना चाहिए जिस तरह से उन्हें फिल्माया गया हो। ये सेब और संतरे की तरह है, उनका मुकाबला नहीं करना चाहिए। दोनों माध्यम अलग-अलग एक्सपीरियंस के लिए हैं।

गुलाबी साड़ी पहन सुरभि चंदना ने बिखेरा जलवा, कातिलाना अदाओं से जीत लिया फैंस का दिल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। सुरभि ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सो ब्यूटिफुल। सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स के जरिए बढ़ सकती है पैरों की ताकत

रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स एक असरदार एक्सरसाइज है, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज न केवल जिम में, बल्कि घर पर भी आसानी से की जा सकती है।रेजिस्टेंस बैंड का उपयोग करने से मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे उनकी ताकत और सहनशक्ति बढ़ती है।इस लेख में हम रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स के कई पहलुओं पर चर्चा करेंगे और जानेंगे कि इस एक्सरसाइज को करने का सही तरीका क्या है।

सही स्थिति अपनाएं

रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स करते समय सही स्थिति बहुत अहम होती है। सबसे पहले, अपने पैरों को कंधों की चौड़ाई पर रखें और रेजिस्टेंस बैंड को अपने घुटनों के ऊपर या नीचे रखें।अब धीरे-धीरे नीचे बैठें, जैसे कि आप एक कुर्सी पर बैठ रहे हों। ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और घुटने आपके पैर की उंगलियों से आगे नहीं जाने चाहिए।इस स्थिति को कुछ सेकंड तक बनाए रखें और फिर वापस खड़े हो जाएं।

इस एक्सरसाइज के दौरान इस तरह से लें सांस

सही तरीके से सांस लेना भी इस एक्सरसाइज का अहम हिस्सा है। जब आप नीचे बैठ रहे हों, तो धीरे-धीरे सांस लें और जब आप वापस खड़े हो रहे हों, तो धीरे-धीरे सांस छोड़ें।ऐसा करने से आपकी मांसपेशियों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलता रहेगा, जिससे आप थकान महसूस नहीं करेंगे और आपको बेहतर परिणाम मिल सकेंगे।इसके अलावा, सही तरीके से सांस लेने से ऊर्जा भी बनी रहती है, जिससे आप अधिक समय तक एक्सरसाइज कर सकते हैं।

नियमितता बनाए रखें

किसी भी एक्सरसाइज का असर तभी दिखता है, जब उसे नियमित रूप से किया जाए। रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स को सप्ताह में 3 बार करें, ताकि आपकी मांसपेशियां मजबूत बन सकें।शुरुआत में 10-15 सेट करें और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 20-25 सेट तक ले जाएं। इसके साथ ही, अपने एक्सरसाइज करने के समय को भी धीरे-धीरे बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियों की सहनशक्ति बढ़ सके और आप बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें।नियमितता बनाए रखने से ही आपको जल्द लाभ मिलेगा।

वार्म अप करना न भूलें

एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वार्म अप करना बहुत जरूरी होता है, ताकि आपकी मांसपेशियां तैयार हो सकें और चोट लगने का खतरा कम हो सके।हल्की दौड़, जंपिंग जैक्स या स्ट्रेचिंग जैसे वार्म अप करें, ताकि आपका शरीर एक्सरसाइज करने के लिए तैयार हो सके।इससे न केवल आपकी मांसपेशियों में लचीलापन आता है, बल्कि रक्त संचार भी बेहतर होता है। इस एक्सरसाइज के दौरान अधिक ऊर्जा मिलती है और चोट का खतरा कम होता है।

स्ट्रेचिंग करना भी है जरूरी

एक्सरसाइज खत्म करने के बाद स्ट्रेचिंग करना न भूलें, क्योंकि इससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और उनमें लचीलापन आता है।क्वाड्रिसेप्स, हेमस्ट्रिंग्स और काफ मसल्स की स्ट्रेचिंग करें, ताकि आपके पैरों की सभी अहम मांसपेशियां आराम पा सकें।रेजिस्टेंस बैंड स्क्वाट्स एक सरल लेकिन असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके पैरों की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकती है।इसे सही तरीके से करने से आप अपने पैरों की मांसपेशियों को मजबूती दे सकते हैं।

उद्योग मंत्री ने कोरबा के बालको नगर में 77 लाख के विकास कार्यों की रखी आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बालको नगर जोन के दो वार्डों क्रमशः वार्ड क्रमांक 34 और वार्ड क्रमांक 36 में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में कुल 77 लाख के विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। विधिवत पूजन अर्चना कर मंत्री देवांगन ने भूमिपूजन शिलापट्टी का अनावरण किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव जी का आभार जताते हुए कहा कि कोरबा शहर के समुचित विकास के लिए बहुत गंभीर है। कोरबा शहर के विकास के लिए राशि लगातार जारी की जा रही है, जितने भी कार्यों की मांग आम जनमानस और वार्ड के पार्षदों से मिल रही है उन सभी कार्यों को एक महीने के भीतर स्वीकृत कराकर तत्काल प्रारम्भ भी किए जा रहे हैं।

मंत्री देवांगन ने कहा कि बालको नगर जोन के वार्डो की मांग लंबे समय से अटकी हुई थी, सड़क, नाली निर्माण के लिए जनता मांग कर थक चुकी थी, लेकिन अब विष्णुदेव सरकार में किसी भी कार्य के लिए कोई फण्ड की कमी न तो हो रही हैं न ही कभी होगी।आने वाले कुछ महीने में शहर को और भी विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने जा रही हैं. इस तरह से सिर्फ सिर्फ 10 महीने में ही कोरबा नगर निगम को 250 करोड़ की स्वीकृति दिलाई जा चुकी है।

दोनों ही वार्डों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र पाटनवर, नेता प्रतिपक्ष हितानन्द अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष शिवबालक तोमर, पार्षद लुकेश्वर चौहान, पूर्व एल्डरमैन सत्येंद्र दुबे, देवी दयाल सोनी, दिलेन्द्र यादव, लखन चंद्रा, वैभव शर्मा, अनिल यादव समेत निगम के भी अधिकारी गण भी उपस्थित रहे।

इन विकास कार्यों की रखी आधारशीला

वार्ड क्र. 35 पुराना शांति नगर में सी. सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, लागतरू 6 लाख,वार्ड क्र. 36 नया रिस्दा भदरापारा चंद्रा समाज भवन के पास 2 अमर सिंह चंद्रा के घर के पास वाली गली में सामुदायिक भवन का निर्माण कार्यरू लागत 20 लाख,वार्ड क्र. 36 प्राथमिक शाला रिस्दा स्कूल का निर्माण/मरम्मत लागत रू 15 लाख, वार्ड क्र. 36 प्राथमिक शाला पाड़ीमार स्कूल भवन का निर्माण, लागत रू 15 लाख,वार्ड क्र. 34 बजरंग चौक बेलगिरी बस्ती में सी.सी. रोड एवं नाली 1 निर्माण कार्य, लागत 10 लाख,वार्ड क्र. 34 चेकपोस्ट में मुक्तिधाम निर्माण,लागत 5 लाख, वार्ड क्र 41 परसाभाठा बिही बाड़ी में मंच निर्माण कार्य, लागतरू 3 लाख, वार्ड क्र. 41 परसाभाठा मीना डहरिया के घर के पास सी.सी. रोड 4 व स्लैब निर्माण कार्य, लागत 3 लाख, इस प्रकार कुल 77 लाख के कार्यों का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पीवीटीजी हितग्राहियों की हो रही स्वास्थ्य जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ में 62 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से मिल रही हैं हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बेहद जागरूक हैं । खासतौर पर विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री काफी संवेदनशील नजर आते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में कुशल स्वास्थ्य अमले को तैनात करने के विशेष निर्देश दिए हैं ताकि पीवीटीजी परिवारों की स्वास्थ्य संबंधी समस्या को बेहतर तरीके से दूर किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर हितग्राहियों के लिए योजनाओं के तहत तत्काल लाभ प्रदान करने और पीवीटीजी समूहों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर आयोजित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जनमन अभियान का उद्देश्य पीवीटीजी परिवारों को प्रमुख व्यक्तिगत अधिकारों का लाभ प्रदान करना है। योजना के तहत पीवीटीजी बस्तियों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर जनजातीय समुदायों को केंद्र और राज्य की योजनाओं और उनके तहत मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया जाता है। इस

पहल में हर उस पीवीटीजी परिवार को शामिल किया जा रहा है जिनसे दूरी, सड़क और डिजिटल कनेक्टिविटी की कमी के कारण संपर्क नहीं हो सका है। ऐसे परिवारों को उनके घर पर ही विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

इसके लिए हाट बाजार, सामुदायिक सेवा केंद्र, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी, बहुउद्देशीय केंद्र, वनधन विकास केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र जैसे स्थानों का उपयोग किया जा रहा है।

जनमन अभियान के दौरान आधार कार्ड, सामुदायिक प्रमाण पत्र, जन धन खाते और वन अधिकार अधिनियम के लाभार्थियों को पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं, क्योंकि ये अन्य योजनाओं के लिए बुनियादी आवश्यकताएं हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान के तहत 62 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में मुख्य रूप से सिकलसेल जांच, टीबी जांच, रक्तचाप जांच, डायबिटीज जांच , आंखों की जांच तथा महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की जा रही है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत विगत 9 माह में लगभग 1 लाख 80 हजार पीवीटीजी हितग्राहियों की सिकलसेल जांच, लगभग 2 लाख हितग्राहियों की टी.बी. जांच, लगभग 1 लाख 50 हजार हितग्राहियों की रक्तचाप जांच, लगभग 1 लाख 50 हजार हितग्राहियों की डायबिटीज जांच, लगभग 16 हजार हितग्राहियों की आंखों की जांच तथा लगभग 3 हजार गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की जा चुकी है।

ठण्ड बढ़ने के साथ पिकनिक स्पॉट में बढ़ी लोगों की संख्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ठंड का मौसम आने के साथ कोरबा जिले के विभिन्न पिकनिक स्पॉट लोगों से गुलजार हो रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में आए दिन तमाशा होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शक्ति दिखाई है। जबकि इन स्थानों पर हादसे से लोगों को बचाने के लिए चेतावनी देने वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं।

कोरबा जिले के सतरेंगा, देवपहरी, केसला ,परसा खोला और झोराघाट मैं हिंदी नो पिकनिक पर आने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। ठंड के मौसम में लगभग हर दिन भर का नजारा देखने को मिल रहा है जबकि अवकाश के दिन में यह संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो जाती है। इन पिकनिक स्पॉट पर नदी और जलाशय मौजूद है। इसलिए वन भोज के लिए पहुंचने वाला वर्ग अपने आप को जल क्रीड़ा करने से नहीं रोक पाता। कई मौके पर यहां दुर्घटनाएं हो चुकी है और लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इसलिए वन विभाग के साथ-साथ पुलिस में इन जगहों पर चेतावनी देने वाले बोर्ड लगा रखे हैं। इसके साथ ही लोगों को सचेत किया गया है कि उसे इलाके में जाने से बिल्कुल बचे जहां पर दुर्घटना संभावित है। बताया कि पुलिस इन स्थानों पर न केवल निगरानी कर रही है बल्कि आसपास के ग्रामीणों को जिम्मेदारी दी गई है।

जगमड़वा बांध निर्माण ने लिए 39.77 करोड़ की निविदा जारी

किसानों की समृद्धि और खुशहाली साय सरकार की प्राथमिकता- विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप प्रदेश में बरसो से लंबित सिंचाई परियोजनाओं तथा योजनाओं निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की जा रही है। जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम बोदलपानी में 69.76 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली जगमड़वा जलाशय योजना के निर्माण कार्य को गति मिली है।राज्य शासन से इस बांध के निर्माण के लिए 39.77 करोड़ रुपए जारी की गई है। जिसकी निविदा आमंत्रित की गई है, जिसके बाद निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ होगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव से किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए जिले के लंबित सिंचाई योजना जगमड़वा जलाशय के राशि जारी करने के लिए विशेष अनुरोध किया था। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि योजना के डुबान

में शासकीय, निजी और वन भूमि कुल 120.02 हेक्टेयर भूमि आ रही है , जिसके मुआवजा और व्यपवर्तन के लिए त्वरित गति से कार्यवाई की जा रही है। साथ ही नहर निर्माण के लिए सर्वे और तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली गई है। मुआवजा और भूअर्जन की प्रक्रिया भी साथ-साथ चल रही है। जिसकी भी निविदा लगाई जाएगी। जगमड़वा जलाशय योजना के निर्माण पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किसानों की समृद्धि और खुशहाली मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश सरकार हर किसान को सिंचाई सुविधा, जल संरक्षण और फसल उत्पादन में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह जलाशय योजना न केवल किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को भी मजबूत बनाएगी। इस परियोजना के मुख्य नहर से 14 गांवों के हजारों किसानों को सीधा लाभ होगा और 1820 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। यह परियोजना न केवल कृषि विकास बल्कि रोजगार, भू-जल स्तर सुधार, और ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का जरिया बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों से इस योजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हों और उनके लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। जगमड़वा जलाशय योजना से क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। जगमड़वा जलाशय योजना का शीर्ष कार्य स्थल सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम बोदलपानी है। योजना के तहत नदी पर पिकअप वियर का निर्माण किया जाएगा, जिससे बांयी और दांयी तट नहरों के माध्यम से अंतिम गांवों तक सिंचाई सुविधा पहुंचाई जाएगी। खरीफसिंचाई उपरांत खेतों में उपलब्ध नमी से रबी फसल गेहू, चना और सब्जी आदि की पैदावार होगी, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। जलाशय से लगभग 498 क्विन्टल प्रतिवर्ष मत्स्य उत्पादन होगा, जिससे ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध होगा।

धान खरीदी में लापरवाही नहीं की जायेगी बर्दाश्त - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में धान खरीदी की सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने जिले के 67 सहकारी समितियों के 90 धान उपार्जन केन्द्रों से संबंधित नोडल अधिकारी,ब्रांच मैनेजर एवं समिति प्रबंधकों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कड़े शब्दों में कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।शासन द्वारा निर्धारित धान खरीदी नीति के तहत ही सुचारू रूप से धान खरीदी की जाए।

सभी केन्द्रों में शासन द्वारा तय किये 35 बिन्दुओं में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित किये जाए।धान खरीदी के लिए सभी केन्द्रों के नोडल अधिकारी,ब्रांच मैनेजर,समिति प्रबंधक एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर गंभीरतापूर्वक कार्य करें। सजग एवं सक्रिय होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। धान खरीदी में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाये जाने पर संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की जायेगी।कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा तय किये गये मानक अनुसार धान सुखा होना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार की समझौता नहीं करें। धान की

क्वालिटी की जांच कर अधिकतम 17 प्रतिशत तक आर्द्रता के साथ साफ -सुथरा धान की ही खरीदी की जाए।किसी भी स्थिति में कोचिया एवं बिचौलियों से धान की खरीदी न की जाए। क्षेत्रों में अवैध धान खरीदी बिक्री भण्डारण एवं परिवहन पर भी कड़ी निगरानी रखकर आवश्यक कार्यवाही करे। किसानों की सुविधा के लिए घर बैठे टोकन प्राप्त करने के लिए मोबाईल एप्प टोकन तुंहर हाथ के माध्यम से ही टोकन लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। टोकन धान खरीदी दिवस के 7 दिन पहले लेना होगा।

किसानों द्वारा पूर्ण धान बेचे जाने के पश्चात तत्काल रकबा समर्पण भी करवाये। औसत उत्पादन से ज्यादा टोकन कटवाने वाले रकबों का सत्यापन संबंधित एसडीएम के द्वारा किया जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि 18 से 22 नवम्बर तक धान खरीदी को उत्सव के रूप में मनाना है।इसके तहत खरीदी केन्द्रों में किसानों का फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया जाना है।इसके साथ ही खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए छायेदार शेड,पेयजल, प्राथमिक उपचार किट एवं अग्निशमन की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही खरीदी केन्द्रों में नो स्मोकिंग जोन से संबंधित आवश्यक फ्लैक्स भी लगवाये।

बैठक में समिति प्रबंधकों को धान खरीदी के दौरान अपनाये जाने वाले प्रक्रियाओं की भी जानकारी विस्तार से दी गई।धान खरीदी के पश्चात व्यवस्थित रूप से स्टेकिंग एवं आवश्यक मात्रा में डनेज की व्यवस्था के बारे में बताया गया। कॉमन एवं ग्रेड-ए धान में अंतर तथा डैमेज, डिस्कलर, अंकुरित ,बाह्य पदार्थ एवं घुन लगा धान के पहचानों के बारे में भी बताया गया। प्रबंधकों को पुराने वर्षो के धान की खरीदी नहीं करने तथा निर्धारित मानक अनुसार नये धान की ही खरीदी करने की जानकारी दी गई।

शुद्ध पेयजल की समस्या हो रही खत्म, गांव गांव पहुंच गया जल जीवन मिशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती लूदरी नाग जिला दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ राज्य का एक आकांक्षी जिला है। जो कि अन्य मैदानी क्षेत्रों से पिछड़ा हुआ है। यहां मुख्यत: आदिवासी निवासरत हैं, जिनमें अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के वर्ग हैं। जिले के ज्यादातर निवासियों के आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है। ये रहवासी वन संपदा जैसे कि- महुआ, इमली, आम, तेंदूपत्ता, बास, टोरा, मौसमी सब्जी, जंगली कंद, फल, विभिन्न प्रकार के मशरूम इत्यादि पर निर्भर रहते हैं। यहां मुख्यत: ग्रामीणों के आय का मुख्य स्त्रोत खेती है।

लेकिन इन सब के अतिरिक्त दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के कुछ अंदरूनी गांव माओवाद से प्रभावित हैं जिसके कारण सरकार की बहुत सारी योजनाएं पूर्ण रूप से नहीं पहुंच पाती है। इसी तरह माओवाद से प्रभावित एक ऐसा गांव है जो कि जल जीवन मिशन योजना की उपयोगिता और शुद्ध पेयजल के महत्व को समझने के बाद योजना के क्रियान्वयन में यहां के ग्रामीणों ने आगे बढ़कर सहयोग कर जल जीवन मिशन

योजना को शत-प्रतिशत पूरा करवाया है। इस क्रम में जिले के विकासखंड कुआकोंडा के अति संवेदनशील ग्राम पंचायत रेवाली के आश्रित ग्राम बर्रेम जिला मुख्यालय से लगभग 49 किमी दूर और मुख्य मार्ग से 9 किमी. की अंदर बसा हुआ है जहां मुरूम वाली सड़क से होते हुए पहुंचा जा सकता है। ग्राम बर्रेम अतिसंवेदनशील और नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण आज भी मानसिकता, रहन-सहन और विकास में पिछड़ा हुआ है। ग्राम के ग्रामीण बाहरी व्यक्तियों से अधिक बात नहीं करते है या तो ज्यादा जोर देने पर सीधा और साधारण जवाब देकर चले जाते हैं। योजनाओं से अपेक्षित लाभ ना उठा सकने के कारण गांव में पेयजल के लिए पहले ही बहुत ही अधिक समस्या थी। यहां के ग्रामीण पेयजल हेतु हैण्डपम्प और झिरिया व चुंआ पर ही आश्रित रहते थे। यदि हैंडपंप खराब हो तो घर से 2 से 3 किमी दूर चुआ का पानी पीने के लिए उपयोग करते थे। पेयजल संग्रहण में ही महिलाओं और बच्चों को लगभग 6 घण्टे का समय लगता था। इससे महिलाएं अन्य कामों और बच्चों की देखभाल के लिए समय नहीं निकाल सकती थी और बच्चे भी स्कूल नहीं जाते थे। स्वास्थ्य खराब होने पर बर्रेम गांव के लोगों को लगभग 9 कि.मी. ग्राम समेली के स्वास्थ्य केंद्र में जाना पड़ता है। ग्राम में वर्तमान में कुल 03 बसाहट नयापारा, पटेल पारा, स्कूलपारा है। इस गाँव में कुल घरों की संख्या 34 एवं जनसंख्या 151 है, जिसमें पुरुषों की कुल संख्या 56 एवं महिलाओं की कुल संख्या 66, बच्चों की संख्या 29 है। ग्राम में पेयजल हेतु पहले 03 हैंडपंप, 1 कुंआ और 02 सोलर था। पारंपरिक तौर पर ग्रामीण महिला पीने के पानी को कपड़े की छननी से छान कर मटकी गुंडी आदि में संग्रहित कर आवश्यकतानुसार खाना बनाने और पीने के लिए उपयोग करती थी। यहां के ग्रामीण पीने के पानी की शुद्धता का मापन पानी का मटमैलापन का देख कर किया करते थे। अगर यहां की समस्याओं की बात करे तो ग्राम बर्रेम के बच्चे घर के काम करने और छोटे भाई बहनों की देखभाल करने के लिए स्कूल नहीं जाते थे। गांव की महिला स्व सहायता समूह का गठन तो किया गया था किन्तु समय ना होने के कारण अपनी आर्थिक जीवन सुधारने के लिए समूह में काम नही कर पाते थे और ना ही अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख पाते थे। अत: जब गांव बर्रेम में ग्रामीणों को जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत जनसभा में योजना के बारे में जानकारी मिली तब ग्रामीणों ने समझा कि अच्छा जीवन और बच्चों का भविष्य ग्राम के विकास में है।

शिविर में पीडितों का हुआ नि:शुल्क उपचार

कोरबा। अनियमित जीवन शैली के कारण कई प्रकार की बीमारियां फैल रही है और लोगों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। एसईसीएल के सीनियर रिक्रेयशन क्लब में लोगों को राहत देने के लिए नि:शुल्क आयुर्वेद व फिजियोथेरेपी शिविर आयोजित किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

धान की कटाई के दौरान थ्रेशर की चपेट में आने से महिला की मौत

कबीरधाम। कबीरधाम में आज तड़के थ्रेशर से धान की कटाई के दौरान चपेट में आने से सुनैना चन्द्रवंशी पति चितरंजन चन्द्रवंशी उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम नेऊरगांव कला की मौत हो गई। काम के दौरान महिला थ्रेशर में फंस गई। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला बोड़ला थाना क्षेत्र का है।

हादसे के बाद घायल महिला को बोड़ला के सरकारी अस्पताल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। दरअसल वर्तमान में कबीरधाम जिले के सभी केन्द्रों में धान की खरीदी हो रही है। किसानों द्वारा धान को केन्द्रों में बेचा जा रहा है।

दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद एक ट्रक अनियंत्रित होकर घर में जा घुसा

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र अंर्तगम ग्राम चावड़ी के पास रविवार सुबह दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर एक घर के दीवार को तोड़ते हुए घर में जा घुसा, इस दौरान महिला घर के आंगन में झाड़ू लगा रही थी, वहीं हादसे के वक्त घर के

सभी सदस्य घर के अंदर ही मौजूद थे, सभी ट्रक के चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ट्रक के अंदर फंसे ड्राइवर को बड़ी मशक्क्त के बाद बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना चारामा थाना इलाक़े के चावड़ी गांव के पास दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई, जिसके बाद तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे घर में जा घुसा, जबकि दूसरा ट्रक टायर फटने के कारण मौके पर ही खड़ा रह गया। दुघर्टना की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद ट्रक में फंसे चालक को मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल का उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार और कोहरे के कारण ये हादसा हुआ, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिस्ट्रीशीटर अमित जोश के एनकाउंटर के बाद उसका सहयोगी गिरफ्तार, अमित को छिपाने में की थी मदद

पुलिस की गिरफ्त में अमित जोश की मदद करने वाला संतोष राव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिस्ट्रीशीटर अमित जोश के एनकाउंटर के बाद भी इस मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने पहले ही कहा था कि अमित की मदद करने वालों पर कार्रवाई होगी। इसी कड़ी में भिलाई नगर पुलिस ने अमित जोश के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने डी संतोष राव को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमित जोश के द्वारा घटना में प्रयुक्त किये गये एक्टीवा वाहन को उसके साथी डी. संतोष राव के निशादेही पर जब्त किया गया।

बता दें भिलाई नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्लोब चौक के पास 25 और 26 जून की दरमियानी रात 1 से 2 बजे के बीच युवकों के दो गुटों में विवाद हो गया। इस विवाद के बाद एक गुट जिसमें बदमाश अमित जोश शामिल था, उसने विश्रामपुर के रहने वाले आदित्य सिंह एवं सुनील यादव को पर गोली चला दी। इस हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में रमनजीत सिंह पिता अवतार सिंह साकिन जेएमक्यु, कालोनी क्वाटर 07 विश्रामपुर जिला सूरजपुर द्वारा शिकायत दर्ज कराई थी। घटना के बाद पुलिस ने आर. यशवंत नायडू, अंकुर शर्मा, बी लक्की जार्ज, शकर भाट, सागर उर्फ डागी, मुकुल सोना, रुपेश सिंह व बिज्जी मोरिस को अलग अलग तिथियों में गिरफ्तार किया।

मुख्य आरोपी अमित जोश का हुआ एनकाउंटर

इस मामले में मुख्य आरोपी लगातार फरार चल रहा था। सप्ताह भर पहले 8 नवंबर को की शाम करीबन 5:00 बजे अमित जोश को भिलाई में देखा गया। जयंती स्टेडियम के पीछे झाड़ी के पास दिखने पर पुलिस के द्वारा पौछा करने पर उसने पुलिस वालो पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें अमित जोश की मौत हो गई। एनकाउंटर के बाद दुर्ग जिले के एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने मीडिया से चर्चा कर एनकाउंटर से जुड़ी खास बातें साझा की और यह भी कहा कि केस अभी खत्म नहीं हुआ। अमित जोश का साथ देने वालों की तलाश की जा रही है।

अमित जोश के मददगार संतोष राव की थी तलाश

इस मामले में पुलिस को अमित जोश के सहयोगी डी संतोष राव की तलाश थी। अमित जोश के एनकाउंटर के बाद संतोष राव भी पुलिस से बचने छिप रहा था। मुखबिर की सूचना पर उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ में उसने अमित जोश की मदद करना स्वीकार किया। पुलिस ने संतोष राव की निशानदेही पर अमित जोश द्वारा भागने के लिए इस्तेमाल किए गए एक्टिवा को पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन के पार्किंग से बरामद किया है।

बाइक में गांजा तस्करी करते आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में लगातार गांजा तस्करी के मामले सामने आ रहे है। शनिवार को गरियाबंद पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अंतरराज्यीय तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह युवक अपनी बाइक पर दो प्लास्टिक की बोरियों में भारी मात्रा में गांजा लेकर नेशनल हाइवे से गरियाबंद की ओर जा रहा था। इस बीच पुलिस ने उसे धर दबोचा। जानकारी के मुताबिक, इस तस्कर का नाम लिंगराज साहू (उम्र 35 साल) है। जो ओडिशा में नबरंगपुर ज़िले के चंदाहांडी का रहने वाला है। नेशनल हाइवे 130सी में सहायक निरक्षक खुमान लाल महिलांगे अपनी टीम के साथ चेकिंग पॉइंट थे।

इस दौरान तस्कर लिंगराज साहू बाइक पर गांजे से भरी बोरी लादकर जा रहा था। जब टीम ने उसे रोका तो वह हड़बड़ा गया, इस दौरान जब बोरियों को उतारकर चेक किया गया तोह उसमें भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस तस्कर को हिरासत में लेकर थाने ले आई, जहां उसके खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि पुलिस ने जब तस्कर से जब्त गांजे को तौलता उसका वजन 34.070 किलोग्राम पाया गया, इस गांजे की कीमत 3.40 लाख रुपये आंकी गई है। पखवाड़े भर के भीतर देवभोग पुलिस ने गांजे की दूसरी बड़ी खेप पकड़ी है। सूत्रों के मुताबिक, ओडिशा के कालाहांडी नवरंगपुर जिले में गांजा के बड़े पैमाने पर कारोबार किया जाता है। यहां से करीबन 150 किमी दूरी पर स्थित कोरापुट जिले के पहाड़ियों में गांजे की खेती होती है।

तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को कुचला, हादसे में मौके पर ही बुजुर्ग की मौत

जगदलपुर। जगदलपुर के आमागुड़ा चौक में रविवार की दोपहर को एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को कुचल दिया, इस हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, घटना के बाद ट्रक चालक मौके से ट्रक को छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने ट्रक को थाने ले आई, वही शव पीएम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आसना की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने आमागुड़ा चौक में साइकिल सवार 54 वर्षीय बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि ट्रक चालक डर के चलते चौक से कुछ दूरी में ट्रक को छोड़कर फरार हो गया, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने ट्रक हिरासत में ले लिया, वही चालक की तलाश की जा रही है, वही मृतक की अभी तक शिनाख्त नही हो पाई है, वही शव को पीएम के लिए मेकाज भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में डॉक्टर ने की खुदकुशी हॉस्टल के कमरे में फांसी पर झूली

जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एमबीबीएस डॉक्टर ने खुदकुशी कर ली। एक साल पहले एमबीबीएस पूरा करने वाली डॉक्टर स्वास्थ्य केन्द्र में इंटर्नशिप कर रही थी और सिम्स कि हॉस्टल में ही उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। डॉक्टर का नाम भानू प्रिया सिंह बताया जा रहा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार भानू प्रिया ने 2018 से 2023 के बीच एमबीबीएस की पढ़ाई की। वर्तमान में वह अंबिकापुर जिले के सुखरी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इंटर्नशिप कर रही थी। शनिवार को भानू प्रिया बिलासपुर अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आई। इसके बाद वह सिम्स के गर्ल्स हॉस्टल में सहेली साथ रुकी थी। बताया जा रहा है कि रविवार को उसकी सहेली बाहर गई हुई थी और इस दौरान दोपहर बारह बजे उसने अपनी सहेली के कमरे में फांसी लगा ली।

दोपहर बाद हॉस्टल में रहने वाली दूसरी छात्राओं ने भानू को फंदे पर झूलते देखा तो उसे उतार कर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद परिजनों को सूचना दी है और जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस की टीम हॉस्टल में पूछताछ कर रही है। हालांकि पुलिस को डॉक्टर भानु प्रिया के सुसाइड करने का कारण पता नहीं चल पाया है।

नाम और वेशभूषा बदलकर छिपा था हत्या का आरोपी, 12 साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

नेवई थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने रखा था 10 हजार का ईनाम, एसीसीयू की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र में 12 साल पुराने एक हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफ्लता मिली है। पुलिस के बचने के लिए आरोपी कभी अपनी बेटी के घर पर कभी कहीं और छिपकर रह रहा था। आरोपी अपना नाम व वेशभूषा बदलकर मजदूरी करते पुलिस पुलिस को चकमा दे रहा था। पुराने अपराधों की वारंट तामिली के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इस मामले में 12 साल पहले नेवई थाने में धारा 307, 302 के तहत अपराध दर्ज हुआ था।

दरअसल यह घटना 15 जनवरी 2012 की है। स्टेशन मरोदा निवासी ममता साहू पर उसके पति घासू उर्फझासू ने मिट्टी तेल डालकर आग लगा दिया था। घटना के बाद घासू उर्फ झासू फरार हो गया। इधर बुरी तरह से झुलसी ममता साहू को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने झुलसी महिला का बयान लेने के बाद अपराध दर्ज किया था। बाद में इलाज के दौरान ममता साहू की मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी पति घासू व उसकी पत्नि ममता साहू अत्यधिक मात्रा में शराब पीते थे। दिनांक घटना को दोनों शराब के नशे में थे आपसी विवाद के चलते घासू ने अपनी पत्नि को मिट्टी तेल डाल कर आग दिया और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ धारा 307, 302 के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

राजनांदगांव में बेटी के पास रह रहा था आरोपी

घटना के बाद पुलिस लगातार आरोपी की पतासाजी कर रही थी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा था। हाल ही में पुलिस को पता चला कि 2012 में अपनी पत्नी पर मिट्टी तेल डालकर जलाने वाला आरोपी घासू उर्फ झासू राम पिता गंगाराम गायकवाड अपनी बेटी के घर राजनांदगांव में रह रहा है। सूचना के बाद नेवई पुलिस व एसीसीयू ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था। इसके बाद पुलिस ने राजनांदगांव पहुंचकर ग्राम इंदावनी से आरोपी घासू उर्फ झासू को हिरासत में लिया।

गिरफ्तारी से बचने छिप रहा था आरोपी

पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। आरोपी ने बताया कि घटना के बाद फरार होकर गिरफ्तारी से बचने जिला बालोद क्षेत्र एवं जिला रायपुर क्षेत्र के अलग-अलग गांव व शहरों में नाम, वेशभूषा बदल कर मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। इतने साल बाद उसने सोचा कि केस क्लोज हो गया होगा इसलिए राजनांदगांव में बेटी के घर पर रह रहा था। इस पूरी कार्रवाई में उक्त कार्यवाही में एसीसीयू से सउनि गुप्तेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक पंकज कुमार, मेघराज चेलक, आरक्षक चित्रसेन, अजय ढीमर, राजकुमार चन्द्रा की उल्लेखनीय भूमिका रही।

युवती से रेप, आरोपी गिरफ्तार, साथी हुआ फरार

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में नौकरी दिलाने केनाम पर युवती से रेप का मामला सामने आया है। दरअसल युवती नौकरी की तलाश में पहुंची थी जिसकी मुलाकात आरोपी से हुई। उसने नौकरी दिलाने का झांसा दिया और अपने साथ घर ले जाकर जबरन संबंध बनाए। इस दौरान उसने वीडियो भी बना लिया। फिर ब्लैकमेल करने लगा। इस मामले में युवती की शिकायत पर पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसका एक साथी फरार है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती ने 15 अक्तूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पढ़ाई के साथ नौकरी की तलाश कर रही थी। इस बीच सूर्यकांत कश्यप से मुलाकात होने पर अच्छी कंपनी में नौकरी लगवाने की बात कही और अपने घर बुलाया था। इस बीच जबरदस्ती करते हुए कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया और मोबाइल में वीडियो भी रिकॉर्ड किया। सूर्यकांत कश्यप ने जो वीडियो बनाया था, उसे अपने साथी को बताकर डरा धमकाकर ब्लेकमेल करने लगा। इस दौरान वीडियो को वायरल करने की धमकी देते हुए दबाव बनाकर फिर से दुष्कर्म किया।

युवती ने गर्भवती महिला पर किया हमला, FIR दर्ज

रायपुर। घर के सामने सड़क पर पानी बहने को लेकर मारपीट हो गई है। इस मामले में एक पक्ष की युवती ने दूसरे पक्ष की गर्भवती महिला के पेट में मुक्का मार दिया। इसके बाद महिला के पति ने गुस्सा आकर युवती पर डंडे से वार कर दिया। इस मामले में पुरानी बस्ती पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर FIR दर्ज कर ली है। FIR के मुताबिक, प्रेमलाल कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि, वो भरींखार भाटागांव में रहता है। शुक्रवार दोपहर वह अपने घर के पास खड़ा हुआ था। तभी पड़ोसी प्रज्ञा सिंह अपने नए बन रहे मकान में पानी डाल रही थी। पानी बहकर प्रेमलाल के घर के सामने सड़क पर आया। तो उसने आपत्ति जताई। इसके बाद प्रज्ञा ने उसे गंदी गालियां देनी शुरू कर दी। इस दौरान प्रेमलाल की गर्भवती पत्नी बाहर आई तो प्रज्ञा ने उसके पेट पर मुक्का मार दिया। जिसके बाद मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा। पुलिस में दूसरी शिकायत प्रज्ञा सिंह ने की है। उसने पुलिस को बताया कि सड़क पर बहते हुए पानी की वजह से जबरन विवाद किया गया है। इस दौरान प्रेमलाल कुशवाहा ने उस पर डंडे से वार किया। जिससे उनके सिर और हाथों में दर्द हो रहा है। इस मामले में पुलिस ने दोनों तरफसे FIR दर्ज की है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध : सीएम विष्णु देव साय

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ व कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के मोवा स्थित आई स्पोर्टज़ बैडमिंटन अरीना में आयोजित सीएम ट्राफी इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन स्पर्धा 2024 के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और बेहतर खेल अधो-संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी ।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सीएम ट्राफी इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन स्पर्धा 2024 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन का यह टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 10 देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एकता, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। यह युवाओं को सकारात्मक और ऊर्जावान बनाता है। भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। छत्तीसगढ़ में हम लगातार खेलों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे राज्य में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। भारत सरकार की खेलो-इंडिया योजना को भी हम छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में लागू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। बैडमिंटन के क्षेत्र में खिलाड़ी आगे बढ़ें इसके लिए भी हम सभी सुविधाएं देंगे। मुख्यमंत्री ने मेंस डबल्स विजेता हरिहरन व रुबन कुमार को बधाई दी। उन्होंने सीएम ट्राफी इंडिया इंटरनेशनल चौलेंज बैडमिंटन स्पर्धा 2024 के सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विदेश से आए खिलाड़ियों और उनकी टीम के सभी सदस्यों का छत्तीसगढ़ में स्वागत किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिसोदिया, महासचिव संजय मिश्रा, राकेश शेखर,गौतम महंता सहित बैडमिंटन संघ के पदाधिकारीगण, खिलाड़ी व बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

पर्वतारोही बिटिया निशा से की फोन पर बात

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इसी तरह कुछ दिन पहले भी छत्तीसगढ़ की एक पर्वतारोही बिटिया निशा से मैंने फोन पर बात की। निशा पूर्वी-अफ्रीकी देश तंजनिया का किलीमंजारों पर्वत फतह करना चाहती है। वह माउंट एवेरेस्ट भी फतह करना चाहती है। उसके पिता रिक्शा-चालक हैं। मुझे पता चला कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से वह बेटी पर्वतारोहण के लिए नहीं जा पा रही है। मैंने उसे सरकार की ओर से सभी तरह के सहयोग का भरोसा दिया और कल मैंने पौने चार लाख की राशि निशा बेटी के लिए स्वीकृत कर दी है।

सीएम साय ने रितिका का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी मुझे अवसर मिलता है। मैं खिलाड़ियों से बातचीत करके उनकी अपेक्षाओं को जानने समझने का प्रयास करता हूं। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें प्रोत्साहित करता हूं। कल ही मैंने धमतरी की बैडमिंटन खिलाड़ी रीतिका ध्रुव से वीडियो कॉल पर बात करके राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें मिली उपलब्धियों के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीतिका ने मुझे बताया कि उनके पिता जीवन-यापन के लिए मजदूरी करते हैं और मां आंगनवाड़ी सहायिका हैं। संघर्षों के बावजूद रीतिका ने बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन किया है। मैंने रितिका को आश्वस्त किया कि आप खूब आगे बढ़िये और अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करिये। हम आपका पूरा सहयोग करेंगे।

संगठित समाज ही विकसित समाज की पहचान : विष्णु देव साय

निषाद समाज के सामाजिक भवन के लिए 10 लाख और निषाद समाज के पीड़ित परिवार की सहायता राशि 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के ग्राम-फुंझहर में छत्तीसगढ़ निषाद समाज के 23वें राज्य स्तरीय युवक-युवती एवं विधवा-विधुर परिचय सम्मेलन तथा आदर्श विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विवाहित जोड़ियों को शुभकामनाएं दी और निषाद समाज द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने घोघरा नवापारा में समाज के सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रूपए देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गत दिनों ग्राम छरछेद में हुई घटना में निषाद समाज के पीड़ित परिवार की सहायता राशि को 10 लाख रूपए से बढ़ाकर 20 लाख रूपए करने और साथ ही पीड़ित परिवार के चार बच्चों को 18 वर्ष होते तक प्रतिमाह 4 हजार रूपए की भी सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार के 2 युवाओं को कलेक्टर दर पर नौकरी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने निषाद समाज के सब-इंस्पेक्टर पद पर चयनित 10 युवाओं को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि निषाद समाज द्वारा यह आयोजन बहुत अच्छा प्रयास है। सामाजिक एकता बहुत जरूरी है। समाज मे सभी बराबर होते हैं, कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। संगठित समाज से सिर्फ समाज को ही फायदा नहीं होता बल्कि समाज के साथ-साथ देश भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक उन्नति के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा से ही समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने समाज प्रमुखों से सभी को शिक्षा का महत्व समझते हुए शिक्षा से जोड़ने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी गुहा निषाद राज के वंशज हैं, जिन्होंने श्री राम की नौका पार कराई थी। हमारी सरकार द्वारा श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं। उन्होंने सभी से प्रभु श्री राम के दर्शन करने का आग्रह किया। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना पुनः प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री ने निषाद समाज को शासन की मत्स्य पालन की योजनाओं का लाभ लेने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदीजी की गारंटी को हम पूरा कर रहे हैं। दो साल का बकाया धान बोनस, तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक में बढ़ोत्तरी, आवासहीनों को प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति जैसे अनेक निर्णय हमारी सरकार ले रही है और क्रियान्वित भी कर रही है। समर्थन मूल्य पर 14 नवम्बर से धान खरीदी की जा रही है। किसानों को 72 घण्टे में ही बेची गई धान की कीमत देने की व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह निषाद, विधायक मोतीलाल साहू, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद भी सम्बोधित किया।

संघर्षों में पली बिटिया ने थामा बैडमिंटन का रैकेट तो मुख्यमंत्री ने दी शाबाशी, कहा-

खूब आगे बढ़िये, हम आपके साथ हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर ।धमतरी की रहने वाली मजदूर पिता की बैडमिंटन प्लेयर बेटी रितिका ध्रुव ने कभी नहीं सोचा था कि उसका अपने खेल के प्रति जुनून एक दिन उसे मुख्यमंत्री से रूबरू करवा देगा। आज जब रितिका को मोबाइल पर वीडियो कॉल में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का स्नेहमयी चेहरा नजर आया तो उसे विश्वास नहीं हुआ कि उसकी बात प्रदेश की मुखिया से हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रितिका से बात करते हुए उसके बैडमिंटन के हुनर को सराहा और उसका हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप इसी तरह अपने बैडमिंटन के हुनर को निखारिये। खूब आगे बढ़िये और अपने माता-पिता के साथ पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाइये। हम आपके साथ हैं, आपको बैडमिंटन के लिए जो भी सहायता व सुविधाएं चाहिए उसे हम आपको देंगे। मुख्यमंत्री की ये बात सुनकर रितिका का चेहरा खिल उठा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रितिका से वीडियो-कॉल में बड़ी आत्मीयता से बात की और उसके बैकग्राउंड के विषय में जाना। रितिका ने बताया कि उसके पिता जीवनयापन के लिए मजदूरी का कार्य करते हैं और माता आंगनबाड़ी सहायिका हैं। उसे बचपन से ही बैडमिंटन के खेल में रुचि थी। समय के साथ उसका ये शौक जुनून में बदल गया और वह पूरे तरह से इस खेल के प्रति समर्पित हो गयी। मगर परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि बड़े स्तर के टूर्नामेंट के लिए वह अपने टैलेंट को तराश सके। मुख्यमंत्री ने संघर्षों के बावजूद बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन के लिए रितिका की खूब सराहना की।

मुख्यमंत्री साय को रितिका ने वीडियो कॉल पर बताया कि उसने बंगलुरू में खेलो-इंडिया यूनवर्सिटी लेवल गेम्स और हाल ही में ओडीसा में नेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। वह आगे नेशनल-इंटरनेशनल स्तर पर खेलना चाहती है और ओलम्पिक में मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करना चाहती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रितिका से कहा कि आपका ओलम्पिक का सपना भी पूरा होगा। मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ वे राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी हैं। आपकी तरह छत्तीसगढ़ की बेटियां जो अपने खेल में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं, उन्हें सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री को रितिका ने बताया कि वो अभी बीए अंतिम वर्ष में पढ़ाई भी कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने रितिका को खेल के साथ अपनी पढ़ाई भी पूरे मन से करने प्रोत्साहित किया। उन्होंने बिटिया को खूब आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री से बात कर के रितिका के चेहरे पर खुशी की मुस्कान छा गयी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय लगातार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। उनका प्रयास है कि राज्य में खेल का मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर बनने के साथ-साथ यहां के टैलेंट को आगे बढ़ने का पूरा मौका मिले। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विगत दिनों छत्तीसगढ़ की पर्वतारोही निशा को किलिमंजारो पर्वत फतह करने कॉल कर पूरी मदद का आश्वासन दिया था। आज जब मुख्यमंत्री ने रितिका के संघर्ष और उसकी बैडमिंटन की प्रतिभा को जाना तो वीडियो कॉल पर बिटिया का हौसला बढ़ाया।

नंदनवन जंगल सफारी के 'प्रकृति दर्शन' कार्यक्रम में 7000 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नंदनवन नया रायपुर द्वारा संचालित ''प्रकृति दर्शन कार्यक्रम'' के तहत प्रदेश के 50 से अधिक स्कूल और 10 से अधिक कॉलेज के लगभग 7000 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। प्रकृति दर्शन कार्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना, पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। नंदनवन जंगल सफारी में भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को न केवल प्रकृति और जैव विविधता के अद्भुत पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण के महत्व और उससे संबंधित चुनौतियों को भी समझने का मौका मिलता है। अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी का लिया जा रहा है सहयोग: नंदनवन द्वारा अज़ीम प्रेम जी यूनिवर्सिटी फाउंडेशन फॉर द लॉजिकल सिक्योरिटी और अन्य संस्थाओं के सहयोग से फारेस्ट ऑफ़ लाइफ थीम तथा विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण शिक्षा अंतर्गत विभिन्न मोड्यूल तैयार किए गए है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अनुभवी प्राकृतिक विशेषज्ञों और वन्यजीव संरक्षणविदों से प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान करता है। इसके साथ ही, यह कार्यक्रम युवाओं में प्रकृति के प्रति लगाव विकसित कर उन्हें पर्यावरणीय समस्याओं और उनके समाधान की दिशा में प्रेरित करता है। नंदनवन जंगल सफारी का यह प्रयास पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है और भावी पीढ़ियों को प्रकृति से जोड़ने का एक ठोस कदम है। इस कार्यक्रम के लिए स्कूली छात्रों के लिए 50 रूपए एवं कॉलेज के छात्रों के लिए 100 रूपए निर्धारित किया गया है। नंदनवन के संचालक धम्मशील गणवीर ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि इस कार्यक्रम से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ा जाए और उन्हें प्रकृति के महत्व को समझने व उसके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाए। हमारा यह प्रयास न केवल पर्यावरणीय चेतना को प्रोत्साहित करता है, बल्कि एक हरित और स्थायी भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम के साथ जुड़ने के लिए नंदनवन के पर्यावरण शिक्षा कोऑर्डिनेटर चन्द्रमणी साहू +91-8120855525, +91-9302325664, +91-9893108393 से संपर्क किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950